दैनिक
उजाला संदेश
RNI No. MPHIN/2022/83759
राष्ट्रधर्म सर्वोपरि
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
भोपाल, सोमवार 13 अप्रैल, 2026
वर्ष-04 अंक-130 पेज-08 मूल्य-1.00/-

सुविचार

खुद को एक सोने के सिक्के जैसा बनाइये, जो कि अगर नाली में भी गिर जाए तो भी उसकी क़ीमत कम नहीं होती है..!!

सागर में 286 करोड़ की सिंचाई परियोजना, 12.44 लाख लीटर पहुंचा दुग्ध प्रोडक्शन

एमपी के 6 जिलों में नए मेडिकल कॉलेज की मंजूरी

भोपाल। मध्यप्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक सोमवार को हुई। इसमें लोक निर्माण विभाग की परियोजनाएं जारी रखने, 6 नए मेडिकल कॉलेजों के प्रस्तावों को मंजूरी, सामाजिक योजनाओं की निरंतरता और सागर की सिंचाई परियोजना सहित कई अहम फैसले लिए गए। बैठक से पहले, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह सप्ताह महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। 16 अप्रैल से संसद के विशेष सत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को स्वीकृति के लिए पेश किया जाएगा। राज्य में 25 अप्रैल तक नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा मनाया जा रहा है। कैबिनेट बैठक शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री ने बताया कि पूरे प्रदेश में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन और पदयात्राएं आयोजित की जाएंगी। महाविद्यालयों में भी इससे जुड़े कार्यक्रम किए जाएंगे।

उर्वरक सब्सिडी के लिए 41,833 करोड़ की मंजूरी

सीएम ने बताया कि केंद्र सरकार ने खरीफ 2026 के लिए फॉस्फेट और पोटेशियम उर्वरकों पर 41,833 करोड़ रुपए की सब्सिडी को मंजूरी दी है, जिससे किसानों को लाभ मिलेगा। रायसेन में आयोजित तीन दिवसीय कृषि महोत्सव का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बालाघाट में नक्सल गतिविधियों के समाप्त होने के बाद अब विकास कार्य तेज किए जाएंगे। राजगढ़, मंडला, नीमच, मंदसौर, शिवपुरी और सिंगरौली जिलों में नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। इससे स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा।

दूध उत्पादन 9.4 से बढ़कर 12.4 लाख लीटर

कैबिनेट में बताया गया कि प्रदेश में दूध उत्पादन बढ़कर 12.4 लाख लीटर हो गया है, जो पहले 9.4 लाख लीटर था। यह करीब 25 प्रतिशत की वृद्धि है। मंत्रिमंडल ने सागर जिले के लिए 286 करोड़ रुपए की मिडवासा मध्यम सिंचाई परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना से करीब 7200 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इधर, मंत्रिमंडल ने लोक निर्माण विभाग की चार चल रही परियोजनाओं को निरंतर जारी रखने का निर्णय लिया। इन परियोजनाओं के माध्यम से आधारभूत ढांचे को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। कैबिनेट ने मध्यान्ह भोजन परिषद, मिशन शक्ति, संबल योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और हेल्पलाइन 181 को जारी रखने की मंजूरी दी। इन योजनाओं के माध्यम से महिला और बाल विकास से जुड़े कार्यक्रम संचालित होते रहेंगे।

महिला सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक होगा यह सप्ताह

सीएम बोले-नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 स्वीकृति के लिए प्रस्तुत होना ऐतिहासिक पहल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यह सप्ताह महिला सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक होगा। संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र 16 अप्रैल को आरंभ हो रहा है, जिसमें महिला आरक्षण के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि हमारे देश की नारी शक्ति को लोकसभा और विधानसभा में 33त्न स्थान मिलना चाहिए। राज्य सरकार भी 10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक ÷नारी शक्ति वंदन÷ पखवाड़ा मना रही है। पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर नारी शक्ति वंदन सम्मेलन होंगे, इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर नारी शक्ति पदयात्रा भी निकल जाएगी। प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में इस दौरान नारी शक्ति वंदन से संबंधित कार्यक्रम वृहद स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह जानकारी मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में दी।

समृद्ध किसान-समृद्ध मध्यप्रदेश की थीम पर मन रहा वर्ष 2026

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2026 को समृद्ध किसान-समृद्ध मध्यप्रदेश की थीम के साथ पूरे प्रदेश में कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस क्रम में 8 अप्रैल को जबलपुर में आयोजित कृषि मंथन कार्यशाला में देश-विदेश के कृषि वैज्ञानिक, कृषि उत्पादक और एफपीओ शामिल हुए। कार्यशाला में देश के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों के साथ कृषि को एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में स्थापित करने, खेत से कारखाने तक उत्पादों की पहुंच सुगम बनाने ,कम पानी में उत्पादन की फसल बढ़ाने और कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। कार्यशाला मे सहभागी किसानों को कई उपयोगी जानकारियां प्राप्त हुई। कार्यशाला के निष्कर्ष किसानों को उनकी आमदनी बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में कल से होगी नए युग की शुरुआत!

- 15 अप्रैल को नई सरकार का होगा शपथ ग्रहण समारोह
- एनडीए की बैठक में आज तय होगा बिहार का नया सीएम

पटना (एजेंसी)। बिहार की सियासत में बड़े बदलाव की पटकथा लिखी जा चुकी है। राज्य में नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर जारी सस्पेंस अब अंतिम पड़ाव पर है। मिली जानकारी के अनुसार, बिहार की नई सरकार का शपथ

ग्रहण समारोह 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे लोकभवन में आयोजित किया जाएगा।हालांकि मुख्यमंत्री कौन होगा? इसका अभी फैसला नहीं हुआ है। लेकिन शपथ ग्रहण की तारीख पक्की हो गई है। बिहार में कल यानी मंगलवार 14 अप्रैल को दोपहर तक बैठकों का दौर चलेगी। मिली जानकारी के मुताबिक, सुबह से ही बैठकों का सिलसिला शुरू हो जाएगा, जिसमें सत्ता परिवर्तन की औपचारिकताओं को पूरा किया जाएगा। सुबह 10 बजे बिहार कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में कुछ बड़े फैसले लिए जाएंगे।

सीएम के नाम का ऐलान

बीजेपी की बैठक के बाद एनडीए के विधायक दलों की बैठक होगी। इस बैठक में एनडीए का नेता चुने जाने की संभावना है। बैठक खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान हो सकता है। माना जा रहा है मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान खुद नीतीश कुमार ही कर सकते हैं।

नोएडा में बेकाबू हुए कर्मचारी, जमकर काटा बवाल

- पुलिस की जीप समेत 5 गाड़ियों में कर दिया आग के हवाले

नई दिल्ली/नोएडा (एजेंसी)। नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में श्रमिकों का उग्र प्रदर्शन अब कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बन गया है। सोमवार सुबह शुरू हुआ उग्र प्रदर्शन दिन चढ़ने के साथ ही उग्र होता चला गया। देखते ही देखते वेतन बढ़ोतरी से लेकर अन्य मांगों के लिए सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की दो गाड़ियों समेत पांच वाहनों को आग के हवाले कर दिया। कई जगहों पर

पत्थरबाजी की भी खबर है। इसी क्रम में अब दिल्ली पुलिस भी आशंका देखते हुए अलर्ट मोड में आ गई है। इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए सम्मानजनक मानदेय, सुरक्षित कार्य वातावरण और समय पर समस्याओं के समाधान के कड़े निर्देश दिए हैं।

जो कंपनी खुली मिली, वहां किया हमला- इस बीच नोएडा के फेस टू के हाजरी कंपलेक्स में जो भी फैक्ट्री आज खुली दिखी या संचालित मिली, उसमें तोड़फोड़ की गई। श्रमिकों के पीछे छुपे अराजक तत्वों ने ऐसी कंपनियों में घुसकर उत्पात मचाते हुए संपत्ति को क्षति पहुंचाया। इस बीच भाजपा नेता संजय बाली की फैक्ट्री भी चलती देख, श्रमिक उसमें अंदर घुस गए और तोड़फोड़ शुरू कर दी।

मोदी महिलाओं से बोले-गृहस्थ नहीं,लेकिन जानता सब हूं

- कहा-हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महिला आरक्षण बिल पर कहा, %हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। विधानसभाओं से लेकर संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय आ गया है। इसलिए सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद का स्पेशल सेशन लाई है। उन्होंने कहा, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के जीवन का बड़ा अवसर बनने जा रहा है। संसद तक पहुंचने का रास्ता आसान बनने जा रहा है। आज महिलाओं की भूमिका और भी अहम हो गई है। हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं।

महिलाओं के लिए कई योजनाएं लेकर हाजिर है

पीएम मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार महिलाओं के लिए कई योजनाएं लेकर हाजिर है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृत्व योजना, जन्म के बाद सुकन्या समृद्धि योजना, सही समय पर टीके लगें इसके लिए मिशन इंद्र धनुष शुरू किया।' स्कूल में शौचालय की परेशानी न हो स्वच्छ भारत अभियान, मुफ्त सेनेटरी पैड, खेलों में सालाना 1 लाख की मदद, भविष्य में सेना में जाना चाहे तो सरकार ने सैनिक स्कूल के दरवाजे खोले। जीवन के आगे के पड़ाव में रसोई में धुएं की परेशानी से बचाने उज्जवला योजना, पानी के लिए हर घर नल, 5 लाख तक मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान योजना। इन सबका सबसे ज्यादा लाभ हमारी बहनों और बेटियों को हो रहा है।

संसद में 16 अप्रैल से विशेष सत्र भी होगा- महिलाओं के लिए आरक्षण को लागू करने के उद्देश्य से 16 अप्रैल को संसद का एक सत्र बुलाया जा रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने महिलाओं के लिए आरक्षण को नई जनगणना और परिसीमन (सीमांकन) से जोड़ दिया था। जनगणना में हुई देरी के चलते, अब 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही आगे बढ़ने की योजना है। संशोधन के बाद लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो सकती है।

3 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने घर की मालिक बनी

3 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने घर की मालिक बनी हैं। आम तौर पर पिता और बेटा व्यापार की बात करते हैं न और मां आ जाए तो कहते हैं तुम जाओ। अब जब वो आर्थिक सशक्त हो गई हैं तो बेटा भी कहता है कि मां को बुलाइए न। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं। 'भारत की सभी महिलाओं को एक नए युग के आगमन की बधाई भी देता हूं। लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से हर कोई महसूस कर रहा है।' 'महिला आरक्षण बिल पर विमर्श को करीब चालीस साल बीत गए। इसमें सभी पार्टियों के और कितनी ही पीढ़ियों के प्रयास शामिल हैं। हर दल ने इस विचार को अपने अपने ढंग से आगे बढ़ाया है।' '2023 में जब यह अधिनियम आया था तब भी सभी दलों ने सर्व सम्मति से इसे पास कराया था। एक सुर में यह बात भी उठी थी कि इसे हर हाल में 2029 तक लागू हो जाना चाहिए।' देश की महिलाएं अपने सांसदों से मिलें अपना पक्ष रखें अपेक्षाएं बताएं, जिस दिन वे सदन में आने के लिए निकलें तो फूल माला देकर उन्हें विदाई दीजिए, ताकि जब सांसद माता-बहनों का आशीर्वाद लेकर निकलेंगे न तो दूसरा निर्णय कर ही नहीं सकेंगे।

अब होर्मुज पर अमरीकी नाकेबंदी

- ट्रम्प बोले-ईरान की नौसेना खत्म,158 जहाज तबाह
- दुनिया में कच्चे तेल की कीमतें फिर 100 डॉलर पार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट पर नाकेबंदी लागू करने जा रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से ईरान के बंदरगाहों की ओर आने-जाने वाले जहाजों को रोका जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि नाकेबंदी का मकसद ईरान की तेल बिक्री रोकना है। ट्रम्प के मुताबिक, कई अन्य देश भी इस प्रयास में अमेरिका का साथ दे रहे हैं। ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान की सैन्य ताकत को भारी नुकसान हुआ है और उसकी नौसेना लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि 158 जहाज तबाह किए

जा चुके हैं। नाकेबंदी के ऐलान के बाद वैश्विक तेल कीमतों में तेज उछाल आया है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 104 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 102 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। इस बीच वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में हुई वार्ता के विफल होने के बाद अमेरिका ईरान पर दोबारा सैन्य हमले करने पर भी विचार कर रहा है। व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि सभी विकल्प खुले हैं और हालात के हिसाब से आगे का फैसला लिया जाएगा।

दक्षिण लेबनान में इजराइली सेना का ग्राउंड ऑपरेशन शुरू

इजराइल की सेना ने सोमवार को कहा कि उसने दक्षिण लेबनान के बिन्त जबील इलाके में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू कर दिया है। सेना के मुताबिक, यह खास टारगेट्स को निशाना बनाकर हमला किया जा रहा है। वहीं, ईरान और पाकिस्तान का कहना है कि पिछले हफ्ते जो अस्थायी सीजफायर हुआ था, उसमें लेबनान भी शामिल है। लेकिन इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस दावे को खारिज कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि लेबनान में कोई सीजफायर नहीं है और इजराइल हिजबुल्लाह पर पूरी ताकत से हमला जारी रखेगा। ईरान से जुड़े दो तेल टैंकर अमेरिका की संभावित नाकाबंदी से पहले फारस की खाड़ी से बाहर निकल गए हैं। ये दोनों जहाज होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते बाहर निकले। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑरोरा नाम का टैंकर ईरान के ऑयल प्रोडक्ट लेकर जा रहा था। वहीं न्यू फ्यूचर नाम का दूसरा टैंकर डीजल लेकर जा रहा है। अमेरिका ईरान के बंदरगाहों और समुद्री इलाकों पर नाकाबंदी करने की तैयारी कर रहा है।

गुलाब कोठारी आज से पश्चिम बंगाल के प्रवास पर

जयपुर। पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी 'जन-गण-मन' यात्रा के तहत सोमवार से पश्चिम बंगाल के दौरे पर रवाना होंगे। वे चार दिवसीय प्रवास के दौरान 16 अप्रैल तक वहां रहकर विधानसभा चुनाव के संदर्भ में जनमानस की नब्ज टटोलेंगे। इस दौरान गुलाब कोठारी विभिन्न

जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। यात्रा का उद्देश्य आम जनता के विचारों, मुद्दों और अपेक्षाओं को समझना है।

'जन-गण-मन यात्रा' के तहत इससे पहले भी वे विभिन्न राज्यों में जाकर लोगों से संवाद कर चुके हैं और राजनीतिक व सामाजिक विषयों पर व्यापक चर्चा की है। देश के एकमात्र अखबार मालिक और उसके प्रधान संपादक हैं जो लगातार यात्राएं करते हैं और आमजन के बीच में जाकर उनकी नब्ज टटोलते हैं और लिखते हैं उम्र इस पड़ाव पर यह सब कर पाना उनकी जीवटता को प्रदर्शित करता है

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता

- मुठभेड़ में 5 लाख की ईनामी महिला नक्सली कमांडर रूपी ढेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सोमवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ हुई मुठभेड़ में एक महिला नक्सली मारी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मारी गई नक्सली की पहचान माओवादी एरिया कमांडर रूपी के

रूप में हुई है, जिसपर 5 लाख रुपये का इनाम था। प्रतापपुर क्षेत्र समिति की सदस्य थी। पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि, गोलीबारी की यह घटना सुबह के समय में छोटे बेठिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक जंगली इलाके में हुई। जब सुरक्षाकर्मियों की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली हुई थी। उन्होंने आगे कहा, अब तक, घटनास्थल से एक महिला नक्सली का शव और एक हथियार बरामद किया गया है। इसके अलावा इलाके में अभी भी अभियान जारी है और विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। बता दे कि यह मुठभेड़ 31 मार्च को सरकार की ओर से छत्तीसगढ़ को सशस्त्र माओवादियों से मुक्त घोषित किए जाने के 12 दिन बाद हुई है।

ठाणे में सड़क हादसा,11 की मौत

- मृतकों में 3 महिलाएं, 2 की हालत गंभीर; वैन से टकराया सीमेंट मिक्सर ट्रक

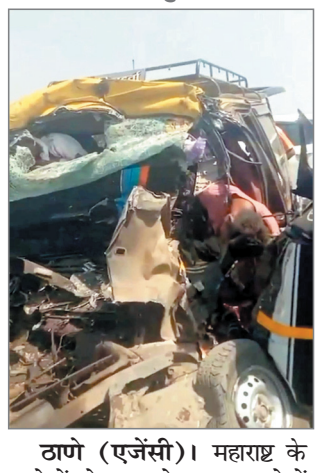

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10:45 बजे मुर्बाड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। कल्याण से मुर्बाड जा रही वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मुर्बाड के तहसीलदार अभिजीत देशमुख ने बताया कि घायलों को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में 8 पुरुष और 3 महिलाएं हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है, बाकी की पहचान जारी है। हादसे के बाद कुछ घंटों तक कल्याण से अहिल्यानगर रोड पर लंबा जाम लगा था। कल्याण से मुरबाड के बीच चलती थी वैन वैन रोजाना की तरह आज सुबह भी पैसेंजर्स को लेकर कल्याण से मुरबाड जा रही थी।

गुजरात में ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचला, 7 की मौत

- राजकोट से सभी लोग पैदल बहुचराजी माता मंदिर जा रहे थे, 4 घायलों की हालत गंभीर

सुरेंद्रनगर (एजेंसी)। गुजरात के सुरेंद्रनगर में सोमवार सुबह लखतर-विरामगाम नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को

कुचल दिया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। घायलों को सुरेंद्रनगर के अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। घायलों की हालत भी गंभीर बनी हुई है। लखतर पुलिस इंस्पेक्टर योगेश पटेल ने बताया कि घटना लखतर-विरामगाम हाईवे पर रात करीब रात करीब 1:30 बजे हुई। तीर्थयात्रियों का एक ग्रुप पैदल राजकोट से बहुचराजी माता मंदिर जा रहा था।

एलएनसीटी आयुर्वेदिक कॉलेज में 'संपूर्ण स्वास्थ्य क्रांति' पर कार्यशाला आयोजित

भोपाल। एलएनसीटी आयुर्वेदिक कॉलेज के सीएमई हॉल में विश्व गुरु भारत फाउंडेशन ट्रस्ट के 'निरोग भारत अभियान' अंतर्गत स्वास्थ्य मार्गदर्शन एवं हॉलिस्टिक चिकित्सा कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को शारीरिक, मानसिक,

सामाजिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा।

सेवाधाम वर्धा से आए डॉ. सतीश सावरकर ने प्राण ऊर्जा के प्रयोग प्रस्तुत किए। फाउंडर ट्रस्टी गोविंद भूतड़ा ने 'निरोग विश्व अभियान' की अवधारणा रखी। योग गुरु महेश अग्रवाल ने योग को संतुलित जीवन का आधार बताते हुए नियमित अभ्यास के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डायरेक्टर विशाल शिवहरे, वाइस प्रिंसिपल वर्षा वंजारी, योग शिक्षक दयाराम यादव, डॉ. प्रकाश किरकिरे, ऋषि सागर , डॉ. नरेंद्र भार्गव, डॉ. डी.आर.एस. पटेल, अधिवक्ता राघवेंद्र सेंगर सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। अंत में सभी का आभार व्यक्त किया गया।

यूनियन फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष चुने गए लोकेश कुमार सिंह साहिल

जयपुर। भारत के सबसे पुराने फुटबॉल क्लबों में से एक यूनियन फुटबॉल क्लब, जयपुर (जो 139 वर्ष पुराना है, और कोलकाता के मोहन बागान क्लब के समकालीन माना जाता है) की नई कार्यकारिणी

के चुनाव क्लब मैदान पर संपन्न हुए। चुनाव में निर्विरोध रूप से लोकेश कुमार सिंह साहिल को अध्यक्ष चुना गया। वहीं महिपाल स्वामी को सचिव, सनी सेबैस्टियन और अनिल शर्मा को उपाध्यक्ष, आशा को संयुक्त सचिव तथा भव्य राजावत को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नई कार्यकारिणी का गठन आगामी 5 वर्षों के लिए किया गया है। कार्यकारिणी ने क्लब की पुरानी प्रतिष्ठा को बहाल करने और क्लब को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया है।

भई भजनों की गंगा, झूम उठे श्रोता, मेला आज

नर्सिंग अवतार की झांकी के साथ होगा दो दिवसीय मेले का समापन

रायसर। आंधी तहसील के ग्राम पंचायत थली में स्थित प्रसिद्ध श्री दुख भंजन बालाजी महाराज मंदिर में रविवार से शुरू हुआ दो दिवसीय वार्षिक मेले में रात्रि को मशहूर गायक कलाकारों ने रातभर भजनों की प्रस्तुति दी जिसमें श्रोता झूम उठे। मंदिर परिसर को संजू लाईट डेकोरेशन द्वारा रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया वहीं बालाजी, सीताराम जी की

मनमोहक झांकियां सजाई गई। मंदिर महंत अमरीश दास त्यागी महाराज व बलराम दास महाराज के सानिध्य में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालु व कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। मंदिर महंत अमरीश दास त्यागी महाराज ने बताया कि रविवार को जागरण के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ है और सोमवार को मेले भरेगा जिसमें देर शाम भगवान नृसिंह की झांकी के साथ मेले का समापन होगा। मेला देखने दूर-दूर से हजारों कि संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। बताया गया कि जागरण में कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई झांकी भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

धूप का रौद्र रूप, फिर भी सुबह-शाम गुलाबी ठंड

दीवानगंज में अजीब मौसम का असर, हाट बाजार रहा सूना

दीवानगंज। दीवानगंज क्षेत्र में इस बार मौसम ने लोगों को हैरान कर दिया है। एक तरफ रविवार को तेज धूप ने अपना रौद्र रूप दिखाते हुए तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचा दिया, तो वहीं दूसरी ओर सुबह और शाम के समय हल्की गुलाबी ठंड का अहसास भी लोगों को हो रहा है। अप्रैल महीने में इस तरह का बदला-बदला मौसम लोगों के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है। रविवार को भीषण गर्मी के कारण जनजीवन पूरी तरह प्रभावित नजर आया। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा छा गया और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। तेज धूप और गर्म हवाओं के चलते लोगों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ा। दीवानगंज का साप्ताहिक हाट बाजार भी इस गर्मी से अछूता नहीं रहा। जहां आम दिनों में बाजार में भीड़ रहती है, वहीं इस बार दोपहर 3 बजे तक बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। दुकानदार ग्राहकों का इंतजार करते नजर आए, लेकिन गर्मी के कारण लोग बाजार आने से बचते रहे। हैरानी की बात यह रही कि दिन में तेज गर्मी के बावजूद सुबह और शाम के समय हल्की ठंड का अहसास हो रहा है। कई लोगों का कहना है कि अप्रैल में इस तरह का मौसम पहली बार देखने को मिल रहा है, जब दिन में इतनी तेज गर्मी और सुबह-शाम हल्की ठंड एक साथ महसूस हो रही है। मौसम के इस बदलाव को लेकर लोग असमंजस में हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन के कारण इस तरह की स्थिति बन रही है। उन्होंने लोगों को सलाह दी है कि दिन में तेज धूप से बचें, पर्याप्त पानी पिएं और सुबह-शाम हल्की ठंड से बचाव के लिए सतर्क रहें। यदि यही स्थिति बनी रही, तो आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ने की संभावना है।

नपा के ट्रेंचिंग ग्राउंड में कचरे की आग से गांव धुंए में, ग्रामीणों ने वाहनों को रोका और तोड़फोड़ की

ग्रामीणों की चेतावनी, किसी भी कीमत कचरा डंप नहीं करने देंगे

मंडीदीप। नगर पालिका मंडीदीप के कुमड़ी स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात कचरे में लगी आग ने पूरे इलाके को धुंए के गुबार में बदल दिया। धुंए से परेशान कुमड़ी, हीरापुर और पड़ोनिया गांव के ग्रामीण आक्रोशित हो उठे। उन्होंने रविवार सुबह मंडीदीप से कचरा लेकर आ रहे नपा के वाहनों को गांव में रोक लिया और दो वाहनों में तोड़फोड़ भी कर दी।

ग्रामीणों का आरोप है कि ट्रेंचिंग ग्राउंड बनाने का वह शुरू से ही विरोध कर रहे हैं। पहले नपा ने यहां एक पुराने कारखाने का सड़ा-गला और बदबूदार कचरा रातोंरात डंप कर दिया था, जिससे क्षेत्र में भयंकर बदबू और मक्खियों का प्रकोप बढ़ गया। ग्रामीणों के विरोध के बाद नपा ने यहां कचरा डंपिंग बंद कर दी थी, लेकिन कुछ समय बाद नपा ने यहां मशीनें लगाकर फिर से कचरा डालना शुरू कर दिया। अब कचरे में आग लगने से स्थिति और बिगड़ गई है।

ग्रामीणों ने दी चेतावनी – ग्रामीणों का एक वीडिओ सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह नपा वाहन चालकों को खुली चेतावनी दें रहें है- 'अगर अब कचरा वाहन यहां आए तो खैर नहीं। आपके अधिकारी और जनप्रतिनिधि जबरन गाड़ियां भेजते हैं तो उनसे कहना कि साथ चलो।' उन्होंने साफ कहा कि किसी भी कीमत पर यहां कचरा डंप नहीं होने देंगे।

तीस गाड़ी प्रतिदिन जाता कचरा – जानकारी के अनुसार, नगर पालिका प्रतिदिन करीब 30 वाहनों से कचरा यहां डंप करा रही है। ग्रामीण लंबे समय से पर्यावरणीय नुकसान, बदबू और स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत करते आ रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है।

इनका कहना है –

ट्रेंचिंग ग्राउंड के कचरे में आग कैसे लगी इसकी जांच की जायेगी, जहां तक ग्रामीणों के विरोध की बात है तो उनसे बात की जायेगी।

– प्रशांत जैन, नपा सीएमओ

कुंभराज नगर परिषद में जनगणना 2027 की तैयारियां तेज, 17 से 19 अप्रैल तक प्रशिक्षण

कुंभराज। नगर परिषद कुंभराज में आगामी जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसके अंतर्गत नियुक्त प्रगणकों (Enumerators) एवं पर्यवेक्षकों (Supervisors) को विशेषज्ञ फील्ड ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री वीरेन्द्र चक्रवर्ती एवं जनगणना लिपिक श्री सिद्धार्थ जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री वीरेन्द्र बोहरे मुख्य प्रशिक्षक के रूप में प्रगणकों एवं सुपरवाइजर्स को जनगणना की सभी आवश्यक बारीकियां सिखाएंगे।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 17, 18 एवं 19 अप्रैल 2026 को आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में जनगणना प्रक्रिया, डेटा संकलन, सर्वेक्षण की विधि एवं अन्य आवश्यक पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया जाएगा, जिससे जनगणना कार्य को सुचारु एवं त्रुटिरहित तरीके से संपन्न किया जा सके। नगर परिषद द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने की अपील की गई है।

हत्या के मामले में 3 साल से फरार 10 हजारी ईनामी आरोपी गिरफ्तार

सीहोर। कोतवाली पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले में पिछले तीन वर्षों से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के ईनामी आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी घटना के बाद से ही लगातार अपनी पहचान छिपाकर पुलिस को चकमा दे रहा था, जिसे अब सलाखों के पीछे भेज दिया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी अनिल पिता मोरसिंह भिलाला निवासी ग्राम धामनखेड़ा ने अपने साथियों के साथ मिलकर 8 मार्च 2023 को संतोष नामक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस मामले में कोतवाली थाने में हत्या सहित अन्य गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज किया गया था। वारदात के बाद से ही अनिल फरार था, जिसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 10ए000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

ऐसे चला पुलिस का सर्च ऑपरेशन – फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए एसपी दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशन और एएसपी सुनीता रावत व सीएसपी डॉ. अभिनन्दना शर्मा के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। थाना प्रभारी रवींद्र यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी के ठिकानों और रिश्तेदारों के यहां धामनखेड़ा से लेकर देवास तक दबिश दी। मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया ताकि आरोपी की हर हलचल पर नजर रखी जा सके।

गांव आते ही पुलिस के जाल में फंसा– 11 अप्रैल को पुलिस को सटीक सूचना मिली कि ईनामी आरोपी अनिल अपने गांव धामनखेड़ा आने वाला है। खबर मिलते ही कोतवाली पुलिस ने बिना वक्त गंवाए गांव में घेराबंदी की। जैसे ही आरोपी वहां पहुंचा पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका– इस सफल कार्यवाही में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रवींद्र यादव, उपनिरीक्षक विवेक आर्य, प्रधान आरक्षक पंकज यादव, आरक्षक वीरेंद्र सिंह परमार, कपिल मेवाड़ा, विवेक दांगी और राजेंद्र वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बेटियों और बहनों के विकास से ही होगा प्रदेश का समग्र विकास: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

सीहोर। मुख्यमंत्री ने आष्टा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में महिलाओं के सशक्तिकरण और विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बेटियों और बहनों के विकास से ही प्रदेश का समग्र विकास संभव है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहना योजना की 35वीं किश्त के रूप में प्रदेश की सवा करोड़

से अधिक महिलाओं के खातों में 1836 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि ट्रांसफर की। सीहोर जिले की 2.40 लाख से अधिक महिलाओं को भी इस योजना का लाभ मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने जा रहा है, जो नारी सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने को याद करते हुए शिक्षा और समान अधिकारों पर उनके योगदान को सराहा।आष्टा में मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत हुआ। दो किलोमीटर लंबे रोड शो में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने संदीपनी स्कूल का लोकार्पण किया और बच्चों से बातचीत की।मुख्यमंत्री ने करीब 184 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया। इनमें सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और अन्य निर्माण कार्य शामिल हैं। उन्होंने आष्टा में आईटीआई सहित कई नई योजनाओं की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार महिला, किसान, युवा और गरीबों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से की जसपाल सिंह अरोरा ने मुलाकात, किया स्वागत

सीहोर। भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व जिला पंचायत एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जसपाल सिंह अरोरा ने आष्टा पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। इस दौरान उनका स्वागत, सत्कार भी किया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आष्टा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान सीहोर के वरिष्ठ भाजपा नेता जसपाल सिंह अरोरा ने उनसे मुलाकात की। श्री अरोरा ने बताया कि मध्यप्रदेश में महिला सशक्तिकरण को लेकर कई महत्वाकांक्षी योजनाएं चल रही हैं। इन्हीं में से लाडली बहना योजना भी एक बेहद महत्वपूर्ण योजना साबित हुई है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह उनके खातों में राशि पहुंचाई जा रही है। यह योजना मध्यप्रदेश में शुरू हुई थी और अब स्थिति यह है कि देश के अन्य राज्यों में भी योजना को लागू किया जा रहा है। वरिष्ठ भाजपा नेता जसपाल सिंह अरोरा ने बताया कि देश जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तरक्की की राह पर अग्रसर है, तो वहीं मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मध्य प्रदेश को विकासशील राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इस मौके पर अरोरा मित्र मंडल के सदस्य एवं उनके समर्थक भी मौजूद रहे।

कलेक्टर के आदेश बेअसर, हाईवे 18 पर धड़ल्ले से चल रहा भूसे का परिवहन, चारे का संकट गहराने का खतरा

दीवानगंज। भोपाल-विदिशा हाईवे 18 पर भूसे का अवैध परिवहन थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालात ऐसे हैं कि शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब 50 से 60 ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉलियां भूसे से भरी हुई इस मार्ग से गुजरती नजर न आएं। यह सब तब हो रहा है जब रायसेन कलेक्टर द्वारा 30 जून तक भूसे के परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

कलेक्टर के स्पष्ट आदेशों के बावजूद खुलेआम नियमों की अनदेखी हो रही है। दिन-रात हाईवे पर भूसे से लदे वाहन दौड़ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस पर कार्रवाई करने में नाकाम नजर आ रहा है। इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह बड़े पैमाने पर भूसे का परिवहन होता रहा, तो आने वाले समय में क्षेत्र में पशुओं के लिए चारे का गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। गर्मी के मौसम में पहले ही हरे चारे की कमी रहती है, ऐसे में भूसे का लगातार बाहर जाना ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पशुपालकों के लिए बड़ी परेशानी बन सकता है।

जबकि भोपाल से लेकर विदिशा तक 55 किलोमीटर के अंदर सलामतपुर थाना, सांची थाना, दीवानगंज चौकी , सुखी सेवनिया थाना पड़ता है। इतने थाने के सामने से भूसे से भरे ओवरलोड वाहन सरपट दौड़ रहे हैं। जबकि वाहनों में क्षमता से अधिक मात्रा में भूसे से भरे वाहन पिकअप, मिनी ट्रक, ट्रक और डंपर गुजरते रहते हैं। ज्यादातर वाहन चालक रात के अंधेरे में अधिक निकलते हैं। इस कारण रात में दुर्घटनाओं की अधिक आशंका रहती है। वाहनों की बॉडी से काफी बाहर तक भूसा भरा होने से इनके पीछे चलने वाले वाहन चालक को दूसरे वाहन दिखाई नहीं देते हैं सड़कों की चौड़ाई कम होने से सामने से आ रहे वाहनों को जगह नहीं मिल पाती है। वहीं पीछे चलने वाले वाहन भी ओवरटेक करने में कई बार दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। भूसा पिकअप लोडिंग में 15 क्विंटल भूसा भरा जा सकता है, लेकिन हल्का होने के कारण पिकअप चालक 30 क्विंटल तक भूसा भर देते हैं। इस कारण इनकी बॉडी से काफी बाहर तक भूसा भरा रहता है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि हाईवे पर सख्ती से जांच की जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में चारे की उपलब्धता बनी रहे और पशुपालकों को संकट का सामना न करना पड़े। कुछ दिन पहले रायसेन एसडीएम द्वारा हाईवे 18 पर भूसे से भरे ट्रकों पर कार्रवाई की गई थी लेकिन कार्रवाई एक ही दिन होकर रह गई। सुरेश साहू, मोतीराम धाकड़, मुकेश साहू, दिनेश साहू, राजाराम कुशवाह, सुरेंद्र विश्वकर्मा, छत्रपाल साहू आदि पशुपालकों का कहना है कि क्षेत्र में भूसा महंगा बिकने के कारण क्षेत्र से बाहर भूसा परिवहन हो रहा है। 300 से 400 रुपए कुंडल खरीद कर बिचोली बाहर 800 से 1000 रुपए कुंडल तक बेचते हैं।

1100 श्री हनुमान चालीसा सामूहिक पाठ संकल्प का भव्य आयोजन

श्री रामा सामाजिक सांस्कृतिक एवं धर्म जागरण समिति(रामादल) के संस्थापक और अध्यक्ष श्री लोकेश जी शर्मा के कुशल मार्गदर्शन मे हिन्दू शक्ति को संघठित करने के उद्देश्य से वार्ड 2 के स्थानीय गोपाल मंदिर प्रांगण में 1100 श्री हनुमान चालीसा पाठ का सफल आयोजन किया गया।सैकड़ों सनातनी महिला एवं पुरुषों ,वरिष्ठ जन ,प्रमुख व्यापारी बंधुओं की उपस्थिति मे इस आयोजन का सफल संचालन किया गया।

कार्यक्रम को अपनी गरिमामई सादर विशेष आतिथ्य से सुशोभित किया सादगी व सरलता की साक्षात मूर्ति आंबेडकर नगर महू में पोस्ट मास्टर के रूप में अपनी सेवा प्रदान कर कर्मचारियों के लिए सतत संघर्ष करने वाले श्री प्रेमचंद जी जैन साहब, अध्यात्म मंडल के सक्रिय सदस्य एवं शहर की समस्त सामाजिक सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों में अपनी विशेष भूमिका रखने वाले श्री सुरेश जी लड्ढा , उपस्थित हुए।

साथ ही वार्ड दो के विभिन्न मंदिरों के आचार्य जिसमें

गोपाल मंदिर से पंडित राजेश शास्त्री, लक्ष्मी नारायण मंदिर से पंडित राजेश शर्मा, आनंद बिहारी मंदिर से पंडित आदेश शर्मा, मुरली मनोहर मंदिर से पंडित सुरेश शर्मा, श्री सिद्धिविनायक गणेश मंदिर से पंडित द्वारका जी महाराज, शहर के प्रसिद्ध कर्मकांडी विद्वान पंडित ओमप्रकाश जी शर्मा मुन्ना काका जी, राम मंदिर से पंडित मनोहर शर्मा, राधा कृष्ण मंदिर से पंडित नवीन द्विवेदी, श्री हरिकेश्वर महादेव मंदिर से पंडित दुर्गेश मिश्रा,ने अपनी विशेष आतिथ्य से सुशोभित किया।।।अतिथि स्वागत श्री हरिओम खंडेलवाल,श्री ओम जी सैनी,श्री अनिल जायसवाल,श्री अरुण मित्तल, श्री योगेश अग्रवाल, श्री विनोद तायल, श्री राजेश जिंदल , श्री मनीष नीमा, श्री संदीप ढोली, श्री अतुल बबला बॉथम, श्री नीरज सोनी,श्री मयंक शर्मा, एवं श्री मनीष प्रजापति, ने किया।

वरिष्ठ समाज सेवी, रामा सामाजिक सांस्कृतिक एवं धर्म जागरण समिति रामादल के नगर संयोजक, श्री राजीव खंडेलवाल,ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में सनातनी संगठन पर विशेष प्रकाश डाला।।।

श्री हनुमान चालीसा पाठ को अपने विशेष स्वर लहरियारो में बांधने में चक्की वाले महादेव मंदिर मंडल से श्री राकेश चौहान ,श्री प्रशांत वर्मा एवं विक्की परदेशी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। हनुमान चालीसा पाठ के पश्चात महाआरती एवं प्रसादी वितरण किया गया।।।

इस अभूतपूर्व आयोजन को सफल बनाने के लिए रामादल के अनेको अनेक स्थानीय कार्यकर्ता व समाज जनों ने अपना संपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम का संचालन श्री अधिवक्ता अंकित विक्की परदेशी द्वारा किया गया एवं आभार युवा समाज सेवी श्री राम तायल द्वारा व्यक्त किया गया।।।

स्व. रमेश चंद्र अग्रवाल की नवमी पुण्यतिथि पर देशभर में श्रद्धांजलि, भोपाल में भी हुए विविध आयोजन

भोपाल। दैनिक भास्कर समूह के अध्यक्ष स्वर्गीय रमेश चंद्र अग्रवाल की नवमी पुण्यतिथि सोमवार को भोपाल सहित पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

रमेश चंद्र अग्रवाल केवल एक सफल व्यवसायी ही नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी समाजसेवी भी थे। उन्होंने देशभर में कई सामाजिक संगठनों को नई दिशा दी और अग्रवाल समाज को एक अलग पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की तीव्रता और परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की अद्भुत क्षमता उन्हें विशिष्ट बनाती थी।

मीडिया जगत में उनकी रणनीतिक सोच का उदाहरण वर्ष 1996 में जयपुर से दैनिक भास्कर के पहले संस्करण के सफल शुभारंभ में देखने को मिला। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच उन्होंने अखबार के स्वरूप, कीमत और सामग्री को लेकर गहन सर्वेक्षण कराए, लेकिन लॉन्च से पहले किसी भी प्रकार की जानकारी सार्वजनिक नहीं की। इस रणनीति ने पाठकों में उत्सुकता पैदा की और अखबार के बाजार में आने से पहले ही उसकी जबरदस्त मांग तैयार हो गई। 19 दिसंबर 1996 को जयपुर में दैनिक भास्कर के प्रकाशन ने पहले ही दिन रिकॉर्ड कायम किया। बेहतर गुणवत्ता, कम कीमत और वितरकों को आकर्षक कमीशन के चलते अखबार ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की और प्रतिस्पर्धियों को कड़ी चुनौती दी।

समाजसेवा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। जयपुर और राजस्थान की परंपरागत 'तिए की बैठक' के विज्ञापनों से प्राप्त संपूर्ण राशि को शहर के श्मशान घाटों के सुधार और सौंदर्यीकरण के लिए समर्पित करने की उनकी पहल एक अनूठा उदाहरण बनी। इसके लिए उन्होंने विशेष टीम गठित कर नगर निगम और संबंधित समितियों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य भी प्रारंभ कराया। बाद में इस मॉडल को अन्य शहरों में भी लागू किया गया।

उनकी नवमी पुण्यतिथि पर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए उन्हें शत-शत नमन

भाजपा राष्ट्रवादी विचारधारा का प्रतीक, कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत : किशन सूर्यवंशी

भोपाल। नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक राष्ट्रवादी विचारधारा है, जिसके संवाहक हम सभी कार्यकर्ता हैं। इस विचारधारा को मजबूत बनाने के लिए कई नेताओं ने अपना पूरा जीवन समर्पित किया है।

श्री सूर्यवंशी मध्य विधानसभा के महाराणा प्रताप मंडल में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत प्रशिक्षण वर्ग में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति एवं जनसेवा के मूल्यों पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत हैं और उन्हीं के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनहितैषी योजनाओं की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जरूरतमंदों तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

प्रशिक्षण वर्ग के दौरान कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय संवाद भी हुआ, जिसमें विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श कर संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री कृष्णकांत चौरसिया ने की।

एक ही परिवार के दो तैराकों का कमाल : नमन ने जीता गोल्ड, विहान ने भी बटोरी पदकों की झड़ी

भोपाल। 12 अप्रैल 2026 को Acrobat Aquatic Fest 2026 स्विमिंग प्रतियोगिता का आयोजन पुरषोत्तम गौर स्विमिंग पूल, कल्पना नगर, रायसेन रोड में किया गया, जिसमें शहर के विभिन्न स्कूलों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में मानसरोवर पब्लिक स्कूल, कोलार के होनहार तैराक नमन वर्मा (सीनियर मेंस) और ग्रुप-2 के विहान वर्मा ने शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

सीनियर वर्ग में नमन वर्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए
50 मीटर फ्री स्टाइल में गोल्ड मेडल
100 मीटर फ्री स्टाइल में ब्रॉन्ज मेडल
50 मीटर बटरफ्लाई में ब्रॉन्ज मेडल
अपने नाम किए और विद्यालय का गौरव बढ़ाया।
वहीं उनके छोटे भाई विहान वर्मा ने भी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए
50 मीटर फ्री स्टाइल में सिल्वर मेडल
50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में ब्रॉन्ज मेडल
100 मीटर फ्री स्टाइल में ब्रॉन्ज मेडल
जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, कोच एवं परिजनों ने खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कॉलेज फीस के रुपयों से खरीदी पिस्टल, AI से बनाई फर्जी रसीद

भोपाल निप्र। राजधानी के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित सेज सनसिटी कॉलोनी में दो छात्रों पर अंधाधुंध फायरिंग करने वाले मुख्य आरोपित सुधांशु सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। वारदात के बाद से फरार सुधांशु इंदौर होते हुए राजस्थान के कोटा में अपने पुराने दोस्तों के पास छिपा हुआ था। पुलिस ने इस मामले में पहले ही तीन अन्य आरोपितों अनिकेत शर्मा, ओम तिवारी और राजवीर को जेल भेज दिया है।

पिता ने भेजी थी फीस, बेटे ने खरीदी पिस्टल- पूछताछ के दौरान 19 वर्षीय सुधांशु सिंह, जो मूलतः शहडोल का रहने वाला है और एलएनसीटी कॉलेज में बीटेक का छात्र है, ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। सुधांशु के पिता शहडोल में ट्रांसपोर्टर हैं। उन्होंने 10 मार्च को सुधांशु को सेमेस्टर फीस जमा करने के लिए 50 हजार रुपये भेजे थे। आरोपित ने फीस जमा करने के बजाय 13 मार्च को बिहार के बेगूसराय जाकर 20 हजार रुपये में एक देसी पिस्टल खरीदी और बाकी पैसे मौज-मस्ती में उड़ा दिए।

जब कॉलेज से फीस न भरने की शिकायत पिता तक पहुंची, तो शातिर सुधांशु ने पकड़े

जाने के डर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का सहारा लेकर कॉलेज की फर्जी फीस रसीदें तैयार कर लीं। बाद में पिता के भोपाल पहुंचने पर उसने पैसे दोस्त को उधार देने का बहाना बनाया।

शराब पार्टी के दौरान हुआ था खूनी संघर्षः घटना 4-5 अप्रैल की दरमियानी रात की है। सुधांशु अपने दोस्तों अनिकेत और ओम के साथ सेज सनसिटी कॉलोनी के एक फ्लैट में शराब पार्टी कर रहा था। रात करीब 12:45 बजे शोर-शराबे से परेशान होकर उसी बिल्डिंग के छात्र सुधांशु साहू ने अपने साथियों के साथ विरोध दर्ज कराया। इसी बात पर विवाद इतना बढ़ गया कि नशे में धुत सुधांशु सिंह ने अपनी देसी पिस्टल निकाल ली। उसने छात्र अंशुतेज पाटिल के कंधे पर और वहीं टहल रहे वासु गुप्ता के पेट में गोली मार दी। इसके अलावा दहशत फैलाने के लिए दो हवाई फायर भी किए। हालांकि, दोनों घायल छात्र अब खतरे से बाहर हैं और उन्हें एम्स से छुट्टी मिल चुकी है।

घटनास्थल पर जुलूस और आगे की कार्रवाईः गिरफ्तारी के बाद रविवार को भोपाल पुलिस ने आरोपित सुधांशु सिंह का सेज सनसिटी कॉलोनी में पैदल जुलूस निकाला, ताकि अपराधियों में कानून का खौफ बना रहे। कटारा हिल्स थाना प्रभारी सुनील दुबे ने बताया कि कोर्ट ने आरोपित को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। अब पुलिस की टीम सुधांशु को बिहार ले जाएगी, ताकि उस गिरोह का पर्दाफाश किया जा सके जिससे उसने अवैध हथियार खरीदा था।

मेडिकल दुकान संचालक गिरफ्तार

बिना डॉक्टरी पर्चे के नशीले मादक पदार्थ ओनीरेक्स की सीसिया देते पकडा गया आरोपी

भोपाल, नप्र। शहर को नशा मुक्त करने के सार्थक प्रयास करने तथा नशीले पदार्थों का परिवहन व विक्रय करने वाले के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने पुलिस आयुक्त श्री संजय कुमार, अति. पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी एवं पुलिस उपायुक्त जोन - 03 भोपाल श्री मयूर खंडेलवाल द्वारा निर्देशित किया गया है प्राप्त निर्देश के पालन मे अति. पुलिस उपायुक्त जोन 03 श्री शालनी दीक्षित, सहायक पुलिस आयुक्त शाहजहाँनाबाद श्री अनिल वाजपेयी के मार्गदर्शन में लगातार अवैधानिक गतिविधियो पर कार्यवाही की जा रही है। कार्यवाही का विवरणः- थाना क्षेत्र मे अवैधानिक/असमाजिक गतिविधियो पर सतत निगाह रखने बीट अधिकारी/कर्मचारियो को आवश्यक निर्देश दिए गए है जिसके तारतम्य मे बीट अधिकारी व कर्मचारियो द्वारा वरिष्ट अधिकारियो के निर्देशानुसार कार्यवाही करते हुए समुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत नगर रक्षा समिति सदस्यो को सक्रिय भूमिका का निर्वहन करने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने को लेकर मुखबिर तंत्र विकसित करते हुए आसूचना संकलन के माध्यम से असमाजिक/अपराधिक गतिविधियो पर सतत निगाह रखी गई जिसके परिणाम स्वरूप दिनांक 11.04.26 को जरिये मुखबिर सूचना पर विधिसंगत कार्यवाही करते हुए आरोपी अरबाजुद्दीन पिता नफीसउद्दीन उम्र 30 वर्ष निवासी म.नं.94 गली नंबर 09 बाग मुक्ती साहब थाना टीलाजमालपुरा भोपाल की सिफा मेडीकल नाम से संचालित मेडिकल दुकान की तलाशी लेने पर उसके कब्जे वाली दुकान की तलाशी ली तो दुकान के अंदर रखी 02 पेटियो मे से एक पेटी सीलबंद होकर मादक पदार्थ ONEREX की 120 सीसी होना पाई गई तथा दूसरी खुली हुई पेटी मे 91 सीसी मादक पदार्थ ONEREX कुल 211 सीसी कीमती करीबन 42411/-रुपये की जप्त की गई है ।

भोपाल में मौजूद बाइक का बैतूल में कटा चालान

भोपाल, नप्र। भोपाल में मौजूद बाइक का बैतूल में नेशनल हाईवे में यातायात नियमो का उलनघन करने पर कटा चालान। भोपाल निवासी बाइक मालिक को मोबाइल पर आया मैसेज। मेसेज देख हैरान हुआ मालिक। बैतूल यातायात में दिया आवेदन। भोपाल पुलिस का आवेदन लेने से इंकार। मामले की शिकायत यातायात थाना बैतूल में बाइक के मालिक अजय सक्सेना पिता स्व रामस्वरूप सक्सेना निवासी एम नं0 1254/ए इंदिरा आश्रय हॉसिंग बोर्ड कॉलोनी करौंद भोपाल द्वारा की गई है। उनके द्वारा शिकायत में बताया कि उनके वाहन परिवहन विभाग भोपाल में पंजीकृत जिसका नं0 MP 04 VB 5456 है।

उसका उन्हें 10/04/2026 को एक चालान मोबाइल पर मैसेज के द्वारा प्राप्त हुआ है। जिसमें यह दर्शाया गया है कि उक्त वाहन एन एच 47, बायपयस, दनौरा जिला बैतूल मध्य प्रदेश 460001, इंडिया में ट्रैफिक नियम का उल्लंघन करते हुए पाया गया। जबकि मेरा वाहन उस समय मेरे पास मेरे शहर भोपाल में ही मौजूद था। जो बैतूल जिले में नहीं था। उन्होंने पूर्ण संदेह जाहिर कर शिकायत की है कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनके वाहन के नं0 का गलत उपयोग कर फर्जी नंबर प्लेट लगा दुरुपयोग कर रहा है।जिससे उन्हें किसी अप्रिय घटना से अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने आवेदन में मामले की जांच कर उचित कार्यवाही करने व संबंधित चालान को निरस्त करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने की बात कही है। वही मामले में भोपाल में जब वह उनके निवास क्षेत्र, अंतर्गत थाने गए तो वहाँ पुलिस ने आवेदन लेने से इनकार कर दिया।

भोपाल लूटकांड पर सख्त हुए मंत्री सारंग, बोले-दोषियों को नहीं बख्शेंगे

भोपाल, नप्र। राजधानी भोपाल में बीते बुधवार रात रायसेन रोड पर दो महिलाओं के साथ हुई लूट की वारदात के बाद मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। घटना में घायल दोनों महिलाओं का इलाज वर्तमान में रोशन हॉस्पिटल में जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित महिलाओं से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। इस दौरान मंत्री सारंग ने उपस्थित डॉक्टरों से दोनों महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति की विस्तृत जानकारी भी ली। मंत्री सारंग ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाए और आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस तरह की घटनाओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही मंत्री सारंग ने पीड़ित महिलाओं के परिजनों से भी मुलाकात कर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनके साथ खड़ी है और आरोपियों पर कठोरतम कार्रवाई करवाई जाएगी। घटना के बाद से स्थानीय क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है और पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

प्रदेश में अब झुलसाएगी भीषण गर्मी, अप्रैल में ही 45 डिग्री जाएगा पारा! आईएमडी ने दिया लू का अलर्ट

भोपाल, नप्र। आंधी-बारिश का ब्रेक खत्म होते ही मध्य प्रदेश में मौसम ने तीखा रुख अपना लिया है। तापमान तेजी से उछल रहा है और अब प्रदेश भीषण गर्मी की चपेट में आने जा रहा है। रविवार को कई शहरों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया, जबकि रतलाम सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 41 डिग्री दर्ज हुआ।

मालवा-निमाड़ बना हॉट जोनः मौसम विभाग के अनुसार, इंदौर-उज्जैन संभाग सहित मालवा-निमाड़ क्षेत्र इस समय सबसे ज्यादा तप रहा है। खजुराहो में 40.4 डिग्री, धार और नर्मदापुरम में 40.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। कई अन्य शहरों में भी पारा 38 से 39 डिग्री के बीच बना हुआ है, जिससे दिन में झुलसाने वाली गर्मी महसूस होने लगी है।

बड़े शहरों में भी चढ़ा पाराः प्रदेश के प्रमुख शहरों में भी गर्मी का असर साफ दिख रहा है। इंदौर में 39.2 डिग्री, भोपाल में 38.6 डिग्री, जबलपुर में 38.7 डिग्री और उज्जैन में 38.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। ग्वालियर अपेक्षाकृत थोड़ा कम गर्म रहा, लेकिन वहां भी पारा 36 डिग्री के पार है।

16 अप्रैल से शुरू होगा लू का प्रहारः मौसम विभाग ने साफ संकेत दिए हैं कि 16 अप्रैल से प्रदेश में हीट वेव यानी लू का दौर शुरू हो जाएगा। धार, खरगोन, खंडवा, सीधी और सिंगरौली जिलों में लू चलने का अलर्ट जारी किया गया है। 15 अप्रैल से एक नया सिस्टम एक्टिव जरूर होगा, लेकिन यह कमजोर रहेगा और गर्मी पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा।

अचानक बदले मौसम से अब सीधी तपिशः अप्रैल के शुरुआती दिनों में प्रदेश ने आंधी, बारिश और ओलों का दौर देखा। 1 से 9 अप्रैल तक लगातार मौसम बदलता रहा, जिससे गर्मी पर ब्रेक लगा रहा। लेकिन अब दूसरे पखवाड़े में मौसम पूरी तरह पलट चुका है और तेज गर्मी का दौर शुरू हो गया है।

गर्मी से बचाव के लिए एडवाइजरी जारीः दिनभर पर्याप्त पानी पिएं, दोपहर में धूप से बचें, हल्के और सूती कपड़े पहनें, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।

खरमास समाप्त, 4 महीने में शादी के 12 मुहूर्त

भोपाल, नप्र। बीते एक महीने से चल रहे खरमास की समाप्ति आज 14 अप्रैल को हो रही है। खरमास खत्म होते ही शुभ कार्यों पर लगी रोक हट जाएगी। हिन्दू पंचांग के अनुसार अब विवाह कार्य शुरू हो जाएंगे। जो तीन महीने तक चलेंगे। इसके बाद पुरुषोत्तम मास लगने पर एक महीने के लिए फिर शादियों पर विराम लग जाएगा।

अप्रैल, मई में लगातार शादियों के मुहूर्त : हिन्दू पंचांग के अनुसार अप्रैल महीने में 20 तारीख को अक्षय तृतीया के दिन से शादियों की लग्न शुरू हो जाएंगी। यानी 20 अप्रैल से विवाह मुहूर्त शुरू होंगे। इसके बाबद मई के महीन में 7 लग्न आएंगी।

मई से जून एक महीने के लिए बंद हो जाएंगी शादियां : ज्योतिषाचार्य पंडित रामगोविंद शास्त्री के अनुसार 17 मई से पुरषोतम मास प्रारंभ होने से शादियों पर विराम लग जाएगा। इसके एक महीने बाद खत्म होने पर एक बार फिर विवाह लग्न शुरू होंगे।

कम शब्दों में गहरी बात ही लघुकथा की सफलता : शीला मिश्रा

भोपाल, नप्र। हिंदी लेखिका संघ द्वारा विश्व संवाद केंद्र में लघुकथा पाठ गोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कथाकार शीला मिश्रा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ लघुकथाकार श्री चरणजीत सिंह कुकरेजा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना से हुआ, जिसे नीलू शुक्ला ने प्रस्तुत किया। स्वागत वक्तव्य में संघ की अध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े ने कहा कि लेखिका संघ निरंतर विधा-आधारित गोष्ठियों का आयोजन करता रहा है और इसी क्रम में लघुकथा पर केंद्रित यह आयोजन किया गया है। अध्यक्षीय उद्बोधन में शीला मिश्रा ने कहा कि आज की लेखिकाएँ शब्दों की साधना में निरंतर संलग्न हैं और लघुकथा सीमित शब्दों में जीवन के अनुभवों और घटनाओं को सारगर्भित ढंग से प्रस्तुत करने की सशक्त विधा है। मुख्य अतिथि श्री चरणजीत सिंह कुकरेजा ने लघुकथा की बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए नवीन विषयों पर लेखन की आवश्यकता बताई तथा अपनी लघुकथा 'गृहलक्ष्मी की सीख' प्रस्तुत की। गोष्ठी में महिमा श्रीवास्तव वर्मा, शालिनी खरे, निरुपमा खरे, मृदुल त्यागी, मधुलिका सक्सेना, नीना सिंह सोलंकी, संगीता सूर्यप्रकाश मुरसेनिया, डॉ. मालती बसंत, डॉ. वर्षा ढोबले, शीला श्रीवास्तव, मधु सक्सेना, उषा चतुर्वेदी, डॉ. कुमकुम गुप्ता, नविता जौहरी, सीमा स्वरागिनी, प्रियंका श्रीवास्तव एवं नीलू शुक्ला सहित लगभग 20 रचनाकारों ने विविध विषयों पर लघुकथाओं का पाठ किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती सुनीता यादव ने किया तथा अंत में आभार प्रदर्शन मधुलिका श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर लेखिका संघ की सुनीता यादव, अनीता सक्सेना, कल्पना विजयवर्गीय, साधना शुक्ला, नीलिमा रंजन सहित भोपाल के अनेक वरिष्ठ साहित्यकार एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

संपादकीय

सरकारी गेहूं खरीदी में संकट बरकरार, बड़े रकबे वाले किसान परेशान

प्रदेश में सरकारी गेहूं खरीदी की प्रक्रिया अभी भी सुचारू नहीं हो पाई है। एक ओर जहां स्लॉट बुकिंग में किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर 5 एकड़ तक के रकबे वाले किसानों का ही गेहूं खरीदा जा रहा है। 6 एकड़ या उससे अधिक भूमि वाले किसानों को अब भी इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उनकी चिंता बढ़ती जा रही है।

अब्दुल्लागंज मंडी से सामने आए एक वीडियो में एक किसान अपनी ट्राली लेकर खड़ा नजर आ रहा है। किसान का कहना है कि उसके पास 10 एकड़ कृषि भूमि है, जिसके कारण उसका स्लॉट बुक नहीं हो पा रहा है और वह अपना गेहूं बेचने में असमर्थ है। किसान ने बताया कि उसके घर में भाई की शादी है और उसे पैसों की सख्त जरूरत है, लेकिन खरीदी नहीं होने से वह आर्थिक संकट में फंस गया है।

किसानों का कहना है कि यदि सरकारी खरीदी में गेहूं नहीं बिक पाया, तो उन्हें मजबूरन बाजार में 300 से 400 रुपये प्रति क्विंटल कम कीमत पर फसल बेचनी पड़ेगी। इससे बिचौलियों को सीधा फायदा हो रहा है, जो किसानों की मजबूरी का फायदा उठाकर कम दामों में गेहूं खरीद रहे हैं।

एक तरफ सरकार अन्नदाताओं के लिए विभिन्न योजनाएं और सुविधाएं देने की बात करती है ताकि उत्पादन बढ़ाया जा सके, वहीं दूसरी ओर फसल का उचित मूल्य न मिल पाना किसानों के लिए बड़ी समस्या बनता जा रहा है। यह स्थिति कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही को भी उजागर करती है।

किसानों ने सरकार से मांग की है कि स्लॉट बुकिंग की समस्या का जल्द समाधान किया जाए और सभी किसानों की फसल खरीदी सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिल सके।

डॉ. भीमराव अंबेडकर: समानता और न्याय के महानायक

हेमंत खुटे

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर आधुनिक भारत के उन महान निर्माताओं में से हैं, जिन्होंने अपने अद्वितीय ज्ञान, संघर्ष और दूरदृष्टि से देश की नींव को मजबूत किया। वे स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री और भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार थे, जिन्होंने एक ऐसे संविधान की रचना की, जो सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है।

डॉ. अंबेडकर का जीवन केवल व्यक्तिगत सफलता की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और मानवाधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने अपने विचारों और कार्यों से समाज के वंचित और शोषित वर्गों को नई दिशा और आत्मसम्मान प्रदान किया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के तीन मूलमंत्र

बाबा साहेब के तीन मूलमंत्र 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' समाज में परिवर्तन का सशक्त मार्ग दिखाते हैं। उनका मानना था कि शिक्षा से व्यक्ति जागरूक और आत्मनिर्भर बनता है, संगठन से एकता और शक्ति मिलती है, तथा संघर्ष से अन्याय और भेदभाव के खिलाफ अधिकार प्राप्त किए जा सकते हैं। इन सिद्धांतों के माध्यम से उन्होंने दलितों और शोषित वर्गों को समानता, सम्मान और न्याय के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। 'शिक्षा वह शेरनी का दूध है, जो इसे पियेगा वो दहाड़ेगा।' डॉ. अंबेडकर का यह कथन शिक्षा की शक्ति और उसके प्रभाव को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करता है। बाबा साहेब का मानना था कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मविश्वास

और अधिकारों की समझ विकसित करने का सबसे सशक्त साधन है। जो व्यक्ति या समाज शिक्षा को अपनाता है, वह अन्याय और भेदभाव के विरुद्ध मजबूती से खड़ा हो सकता है। शिक्षा मनुष्य को निर्भीक, जागरूक और सशक्त बनाती है।

उनका मानना था कि जीवन लंबा होने के बजाय महान होना चाहिए। बाबा साहेब का यह विचार जीवन के वास्तविक उद्देश्य को स्पष्ट करता है। केवल लंबे समय तक जीना महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि उस जीवन का समाज, राष्ट्र और मानवता के लिए कितना योगदान रहा,यह अधिक महत्वपूर्ण है। महान जीवन वही है जो संघर्ष, ईमानदारी और परिश्रम से भरा हो तथा दूसरों के लिए प्रेरणा बने।

'मैं किसी कौम की उन्नति को उस कौम की स्त्रियों की उन्नति से मापता हूं' उनका यह कथन सभी समाज में महिलाओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताता है। बाबा साहेब का मानना था कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब उसकी महिलाएं शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त हों। महिलाएं ही परिवार और समाज की आधारशिला होती हैं, इसलिए उनका सशक्त होना पूरे समाज को सशक्त बनाता है।

बाबा साहेब यह भी कहते थे कि किसी राष्ट्र का भविष्य उनके युवाओं की शिक्षा पर निर्भर करता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि देश का भविष्य उसके युवाओं पर निर्भर करता है, और युवाओं का निर्माण शिक्षा से होता है। शिक्षित युवा ही राष्ट्र को प्रगति, नवाचार और विकास की दिशा में आगे बढ़ाते हैं। इसलिए शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित न होकर मूल्य, कौशल और जागरूकता प्रदान करने वाली होनी चाहिए।

'हम सबसे पहले और अंत में भारतीय हैं'

बाबा साहेब का यह विचार राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश देता है। बाबा साहेब का मानना था कि जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र से ऊपर उठकर सबसे पहले भारतीय होने की भावना ही देश को मजबूत बनाती है। यह सोच आपसी भाईचारे और समरसता को बढ़ावा देती है।

साधारण व्यक्ति से 'बाबासाहेब' बनाने का श्रेय रमाबाई अंबेडकर को

डॉ. अंबेडकर के संघर्षमय जीवन में उनकी पत्नी रमाबाई अंबेडकर का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। अभावों और कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने हर कदम पर उनका साथ निभाया। परिवार की जिम्मेदारियों, आर्थिक कठिनाइयों और व्यक्तिगत दुखों के बावजूद उन्होंने अंबेडकर का मनोबल बनाए रखा। स्वयं अंबेडकर ने भी स्वीकार किया था कि उन्हें 'बाबासाहेब' बनाने में रमाबाई का बड़ा योगदान है। उनके त्याग, धैर्य और समर्पण के कारण ही अंबेडकर अपने महान उद्देश्य को प्राप्त कर सके।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर चलकर समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प

डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन और उनके विचार आज भी भारतीय समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने अपने संघर्ष, ज्ञान और संकल्प के बल पर न केवल स्वयं को स्थापित किया, बल्कि पूरे देश को समानता, न्याय और मानवाधिकारों का मजबूत आधार भी प्रदान किया।

अंबेडकर जयंती केवल एक स्मरण का दिन नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपनाकर एक समतामूलक और सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेने का अवसर है। अंततः, यदि हम उनके विचारों को अपने जीवन में उतारें, शिक्षा को प्राथमिकता दें और समाज में समानता व भाईचारे को बढ़ावा दें, तो यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। (विनायक फीचर्स) (लेखक भारतीय दलित साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ के प्रांतीय उपाध्यक्ष रहे हैं)

हिंदी यात्रा साहित्य के जनक महापंडित राहुल सांकृत्यायन

कुमार कृष्णन

मिन्हाजू सिराज ने अपनी पुस्तक 'तबकात -ए-नासरी' में 12वीं शताब्दी के अंत में नालंदा, विक्रमशिला और उदवंतपुरी के प्राचीन विश्वविद्यालयों के विध्वंस का वर्णन किया है। मुख्य रूप से बौद्ध शाक्य सम्प्रदाय के मठों में संग्रहित कई अमूल्य पांडुलिपियों को तिब्बत से वापस लाए। इन ग्रन्थों को पलायनकारी भिक्षु अपने साथ तिब्बत ले गए थे। तिब्बत के मौसम ने यह सुनिश्चित किया कि ये प्रकृति की अनिश्चितताओं से नष्ट न हो।महापंडित ने संस्कृत, पाली और अन्य भाषाओं में दुर्लभ पांडुलिपियों को प्राप्त करने के लिए तिब्बत में लगातार चार अभियानों का नेतृत्व किया और उनके प्रयासों ने बुद्ध की शिक्षाओं को पुनर्जीवित किया जो विलुप्तता के कगार पर थीं। अपने प्रयासों से वह न केवल इन दुर्लभ हिंदू और बौद्ध ग्रंथो की प्रतियां वापस लाए बल्कि उपमहाद्वीप की भूली हुई विरासत और इतिहास पर भी प्रकाश डाला। राहुल सांकृत्यायन ने स्वयं पाली सीखी और बौद्ध ग्रंथ 'मध्यम निकाय' का अध्ययन किया जिसमें बौद्ध प्रवचनों का वर्णन है। राहुल सांकृत्यायन के अनुसार, तिब्बत की उनकी यात्राएं अच्छे और बुरे दोनों अनुभवों से पूर्ण थी। जहां उन्होंने भारी कठिनाइयों का सामना किया, वहीं कुछ अनुभव बहुत अच्छे थे। उन्हें प्राचीन ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियों के साथ-साथ भारतीय शैली की अमूल्य स्क्रॉल पेंटिंग भी मिली।

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...एक ऐसा व्यक्तित्व जिन्होंने 20वीं सदी में भारतीय ज्ञान परंपरा को विश्व पटल पर पुनर्जीवित किया। महापंडित राहुल सांकृत्यायन (1896-1963) न केवल एक अथक यात्री थे, बल्कि एक विपुल लेखक भी थे जिन्होने 13 साल की उम्र में पहली बार घर छोड़कर अपनी यात्रा शुरु की। उन्होंने यात्रा वृतांत को 'साहित्यिक रूप' दिया इसलिए राहुल सांकृत्यायन को हिंदी यात्रा साहित्य का जनक कहा जाता है। उन्होंने अपने जीवन के 45 वर्ष अपने घर से दूर अन्वेषण में बिताए।

अपने जीवन के विभिन्न चरणों में राहुल सांकृत्यायन एक वैष्णव मठ के महंत, किसान आंदोलन कारी, बौद्ध भिक्षु, स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी थे। हालांकि उनका सबसे बड़ा योगदान अपनी यात्राओं के माध्यम से भारत और तिब्बत के बीच प्राचीन संबंधों को फिर से उजागर करना और प्रचुर सामग्री भारत वापस लाना था।

मिन्हाजू सिराज ने अपनी पुस्तक 'तबकात -ए-नासरी' में 12वीं शताब्दी के अंत में नालंदा, विक्रमशिला और उदवंतपुरी के प्राचीन विश्वविद्यालयों के विध्वंस का वर्णन किया है। मुख्य रूप से बौद्ध शाक्य सम्प्रदाय के मठों में संग्रहित कई अमूल्य पांडुलिपियों को तिब्बत से वापस लाए। इन ग्रन्थों को पलायनकारी भिक्षु अपने साथ तिब्बत ले गए थे। तिब्बत के मौसम ने यह सुनिश्चित किया कि ये प्रकृति की अनिश्चितताओं से नष्ट न हो।महापंडित ने संस्कृत, पाली और अन्य भाषाओं में दुर्लभ पांडुलिपियों को प्राप्त करने के लिए तिब्बत में लगातार चार अभियानों का नेतृत्व किया और उनके प्रयासों ने बुद्ध की शिक्षाओं को पुनर्जीवित किया जो विलुप्तता के कगार पर थीं। अपने प्रयासों से वह न केवल इन दुर्लभ हिंदू और बौद्ध ग्रंथो की प्रतियां वापस लाए बल्कि उपमहाद्वीप की भूली हुई विरासत और इतिहास पर भी प्रकाश डाला।

राहुल सांकृत्यायन ने स्वयं पाली सीखी और बौद्ध ग्रंथ 'मध्यम निकाय' का अध्ययन किया जिसमें बौद्ध प्रवचनों का वर्णन है। राहुल सांकृत्यायन के अनुसार, तिब्बत की उनकी यात्राएं अच्छे और बुरे दोनों अनुभवों से पूर्ण थी। जहां उन्होंने भारी कठिनाइयों का सामना किया, वहीं कुछ अनुभव बहुत अच्छे थे। उन्हें प्राचीन ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियों के साथ-साथ भारतीय शैली की अमूल्य स्क्रॉल पेंटिंग भी मिली।

1926 में राहुल जी ने अपनी पहली तिब्बत यात्रा ज्यादातर पैदल तय की। उस यात्रा में उनका साथी केवल एक कुत्ता था। तिब्बत की उनकी बाद की यात्राओं में घोड़े तथा खच्चर यात्रा के साधन थे। उन्होंने लिखा है कि उनके पास जो पैसे थे उनमें से ज्यादातर यात्रा खर्च के लिए भी पर्याप्त नहीं थे। वह आगे लिखते हैं कि उन्हें कभी दूसरों से पैसा उधार लेना पसंद नहीं था, लेकिन तिब्बत में उन्हें इस व्यक्तिगत प्रवृत्ति को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

1933-34 में अपनी दूसरी यात्रा के दौरान उन्होंने अपने उल्लेखनीय साथी, मित्र, दार्शनिक, कलाकार और भिक्षु 'गेदुन चोफेल' से मुलाकात की। राहुलजी के अनुसार तिब्बत एक सुनहरा पुल था जिस पर वे एक-दूसरे से मिले थे। उनकी दोस्ती पारस्परिक सम्मान पर आधारित थी और दोनों ने एक-दूसरे की सोच और दृष्टिकोण को प्रभावित किया। वह गेदुन चोफेल को लेकर भारत वापिस लौटे जिसे तिब्बती विद्वान ने अपने सपने का साकार होना बताया।भारत और तिब्बत के बीच के प्रगाढ़ संबंधों को उजागर करना है। उनकी तिब्बत से 22 खच्चर भर लाई गई पांडुलिपियां अनमोल हैं।महापंडित ने अपने गांव के स्कूल में केवल उर्दू का अध्ययन किया था, लेकिन 30 से अधिक भाषाओं में स्व-शिक्षित थे और 12 से अधिक में पारंगत थे। उन्होंने यात्रा वृतांत से लेकर उपन्यास तक 140 से अधिक ग्रंथ लिखे। उनका सबसे बड़ा योगदान आम जनता के लिए प्राचीन बौद्ध ग्रंथों का सरल हिंदी में अनुवाद करना रहा, जिससे यह सर्वसुलभ हो गया। उन्होंने तिब्बती-हिन्दी शब्दकोश भी लिखा। मूल बौद्ध सिद्धांतों को पढ़ने के लिए उन्होंने स्वयं पाली सीखी। बाद में वे श्रीलंका गये जहां उन्होंने संस्कृत पढ़ाई। राहुल सांकृत्यायन द्वारा लाई गईं अधिकांश पांडुलिपियां काशी प्रसाद जायसवाल संस्थान, पटना में संरक्षित हैं। श्री जयसवाल स्वयं एक प्रसिद्ध इतिहासकार और वकील थे जिन्होंने महापंडित को उनकी यात्राओं के वित्तपोषण और पांडुलिपियों के अनुवाद में सहायता की।राहुल सांकृत्यायन को साहित्य अकादमी और पद्म भूषण सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया । उन्होंने त्रिपटक ग्रंथ का गहन अध्ययन किया और उन्हें' त्रिपटकाचार्य' की उपाधि दी गई । उनकी रचनाएं मुख्य रूप से हिंदी में हैं, जिसके कारण अंग्रेजी भाषी अभिजात वर्ग द्वारा इसे नजरअंदाज कर दिया गया है। उनके समकालीन ज्ञानी उन्हें विलक्षण प्रतिभा का धनी मानते थे। पं. जवाहर लाल नेहरू ने कहा था, 'मैं केवल एक ही राहुल को जानता हूं जो विलक्षण हैं।'हमारा देश वर्तमान में 'सांस्कृतिक पुनरुद्धार' पर की ओर अग्रसर है। हमें महापंडित जैसे लोगों का अध्ययन करने और उनके योगदान से सीखने की जरूरत है। राहुल सांकृत्यायन ने जनमानस की चेतना से मिटाए गए ग्रंथों को फिर से खोजा। उनका लेखन भारत और तिब्बत के बौद्ध संबंधों और विरासत को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। महापंडित का जीवन 'चरैवेति - चरैवेति' वाक्यांश में समाहित है, जिसका अर्थ है निरंतर चलते रहो। 'बदलाव' भी उनके जीवन का उपयुक्त वर्णन होगा। राहुल सांकृत्यायन भारतीय ज्ञान तथा परंपरा के प्रतीक हैं जिसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। उन्होंने अपना समय एवं ऊर्जा, हमारे प्राचीन ग्रंथों और संस्कृति के अध्ययन की पुनः खोज और उनके माध्यम से भारत और तिब्बत के बीच के संबंधों को और भी प्रगाढ़ करने में समर्पित किया जिसके लिये वह साधुवाद के भागी हैं।करीब 100 साल पहले राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाई गई विश्व प्रसिद्ध पांडुलिपियां आज भी अपने पूर्ण संरक्षण और अनुवाद की प्रतीक्षा कर रही हैं। यह धरोहर न केवल धार्मिक है, बल्कि प्राचीन भारत-चीन और तिब्बत संबंधों का सबसे बड़ा ऐतिहासिक प्रमाण भी है।राहुल सांकृत्यायन ने वर्ष 1929 से 1938 के बीच चार बार तिब्बत की दुर्गम यात्राएं की थीं। उन यात्राओं के दौरान उन्होंने मठों और गांवों का सघन सर्वेक्षण कर करीब 10 हजार ग्रंथ एकत्र किए थे। इस विशाल संग्रह का मुख्य हिस्सा उन्होंने बिहार एंड ओडिशा रिसर्च सोसाइटी, पटना को सौंपा था, जबकि दुर्लभ पांडुलिपियों का एक विशेष हिस्सा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण दिल्ली को दिया गया। दिल्ली के धरोहर भवन में रखी इन पांडुलिपियों में सबसे अद्भुत 'सेरडे' संस्करण है, जिसमें 108 पोथियां शामिल हैं। ये पांडुलिपियां हस्तनिर्मित कागज पर शुद्ध सोने की स्याही से लिखी गई हैं, जिन्हें 'कंजूर' यानी बुद्ध के प्रत्यक्ष वचन कहा जाता है। 'भोट' लिपि में लिखे गए इन 845 ग्रंथों को 20वीं शताब्दी की सबसे महत्वपूर्ण विश्व धरोहरों में गिना जाता है।ये ग्रंथ मात्र धार्मिक दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि 7वीं से 11वीं शताब्दी (अर्ली मेडिवल पीरियड) के उस दौर का इतिहास हैं जब लगभग 400 वर्षों तक नालंदा, विक्रमशिला और ओदंतपुरी के विद्वान निरंतर तिब्बत और चीन की यात्रा करते थे। इन ग्रंथों में आचार्य पद्मसंभव, शान्तरक्षित और दीपांकर श्रीज्ञान जैसे विद्वानों के वृत्तांत दर्ज हैं।

महापंडित राहुल सांकृत्यायन का बिहार के भागलपुर के

सुल्तानगंज से गहरा संबंध था। उन्होंने 1932 में सुल्तानगंज से प्रकाशित होने वाली प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिका 'गंगा' के संपादक पंडित रामगोविन्द त्रिवेदी को बहुमूल्य परामर्श दिए थे। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'मेरी जीवन यात्रा' में सुल्तानगंज की 'गंगा' पत्रिका के लिए अनेक ऐतिहासिक व पुरातात्विक लेख लिखने का जिक्र किया है।

सुल्तानगंज (भागलपुर, बिहार) से प्रकाशित 'गंगा' पत्रिका में राहुल जी के लेख छपते थे, जिनमें 'महायान की उत्पत्ति' और 'चौरासी सिद्धि' का जिक्र मिलता है।सुल्तानगंज के इसी समय के दौरान, उन्होंने तिब्बत से लाए गए बौद्ध चित्रों को बेचकर प्राप्त धन से नालन्दा महाविहार के पुनरुद्धार का विचार किया था।

महापंडित राहुल सांकृत्यायन ने 1932 में सुल्तानगंज (बिहार) से निकलने वाली 'गंगा' पत्रिका के सम्पादक पंडित रामगोविन्द त्रिवेदी को परामर्श दिया कि गंगा पत्रिका पुरातत्व विशेषांक प्रकाशित करे। 'गंगा' के स्वामी बनैली राज्य नरेश कुमार कृष्णानन्द सिह थे। उन्होने पुरातत्व विशेषांक के लिये प्रचुर धन प्रदान किया, लेकिन उनकी शर्त थी कि राहुलजी इस विशेषांक के अतिथि सम्पादक के दायित्व का निर्वहन करेंगे। 'गंगा' के पुरातत्व विशेषांक के सम्पादन के लिए राहुलजी को कुछ सप्ताह सुल्तानगंज मे रहना पड़ा।

कुमार साहब के राजदरबार में सनातन धर्मावलम्बियों का प्रभुत्व था। सनातनियों को ज्ञात था कि राहुल सांकृत्यायन श्रीलंका के बौद्ध महाविहार में प्रवजित होकर अनीश्वरवादी हो गये। सनातन धर्म के इस तिरस्कार से वे क्षुब्ध थे। उन्होंने कहा, दुनिया के सभी प्रमुख धर्म किसी न किसी रूप में ईश्वर की सत्ता को स्वीकार करते हैं। गुरु नानक, संत कबीर, रामकृष्ण परमहंस, महात्मा गाधी आदि विश्ववंद्य महात्माओं ने भी ईश्वर के अस्तित्व मे आस्था व्यक्त की है, फिर राहुलजी क्यों अनीश्वरवादी हैं? राहुलजी ईश्वर की सत्ता को इसलिए नहीं मानते होंगे क्योंकि बौद्ध धर्म प्रतीत्यसमुत्पाद के नियम, अर्थात कारण-कार्य की श्रृंखला को मानता है।

बौद्धधर्म कहता है कि सृष्टि का न तो कोई संचालन करने वाला है, न ही कोई सृजन करने वाला है। बौद्धधर्म की धारणा कि ब्रह्माण्ड का न आरंभ है और न अंत, पूर्णतः मिथ्या है, निराधार है।

एक दिन कुमार साहब के दरबार में पण्डितों ने गंगा सम्पादक त्रिवेदीजी से कहा कि 'राहुलजी को कल यहाँ बुला लाइये। इस विषय पर शास्त्रार्थ होगा और हम लोग राहुलजी को ईश्वर मनवाकर दम लेंगे।'

त्रिवेदीजी लिखते है-

'मैने राहुलजी से सारी कथा कह सुनायी। किन्तु उन्होंने दरबार में जाने की आनाकानी की। राहुल जी राजनैतिक नेताओं और धनपतियों से उदासीन रहते थे। एक बार देशबन्धु चितरंजन दास से आप मिलने गये। थोड़ी देर बैठकर (बुलावा नहीं आने के कारण) बिना मिले ही लौट गये। तिब्बत जाकर दुर्लभ सामग्री आपने पटना-म्यू?जियम को दी। इससे बिहार का तत्कालीन गवर्नर बड़ा प्रसन्न हुआ। उसने प्रसिद्ध इतिहास-वेत्ता श्री काशीप्रसाद जायसवाल के द्वारा राहुलजी को धन्यवाद दिया और मिलने के लिये राहुलजी को बुलाया। किन्तु राहुलजी नहीं मिले। परन्तु मेरे अत्यधिक आग्रह करने पर कुमार साहब को साहित्यानुरागी जानकर दरबार में चलने और विचार विनिमय करने को राजी हो गये।

प्रातःकाल से ही योद्धा तीरकमान चढाने लगे और धनुर्वाण मांजने लगे। शाम होते-होते सभी मल्लराज अखाड़े में उतर पड़े। राहुलजी भी मुझे लेकर दरबार में पहुँचे। शिष्ट-विधि के अनन्तर तर्क-वितर्क प्रारम्भ हुये। पंडित लोग आस्तिक दर्शनों के प्रमाण, तर्क और उक्तियाँ उपस्थित करते और राहुल जी खण्डन करते। पूर्व पक्ष से न्याय, वेदान्त, उपनिषद और इनके भाष्यों की गहन-गम्भीर युक्तियां दी जाती और राहुलजी बौद्धदर्शन और विज्ञान के तर्कों से उनका खण्डन करते। यह क्रम एक घंटे तक चलने के पश्चात सात्विक विवाद ने तामस रूप ले लिया। हार-जीत के फैसले के लिये बेताब कुछ श्रोता भी शुष्क दार्शनिक तर्क-प्रमाण सुनते-सुनते ऊब चले। वायुमण्डल गम्भीर हो गया। पंडित क्रोधावेश में आकर उबल पडे - यह कुछ नहीं समझता, पूर्वाग्रह-ग्रस्त है, महामूर्ख है।' दूसरे गरजे, 'यह कुछ नहीं जानता, पल्लव-ग्राही है। मैं तुम्हें जीवन भर विद्यार्थी बनाकर पढ़ा सकता हूँ। राहुल जी नितान्त शान्त बैठे मुस्कराते हुए बोले- 'आप लोगों ने जो कहा वह ठीक हो सकता है। किन्तु मेरे जैसे महामूर्ख से आप ईश्वर नहीं मनवा सकते, मैं विद्यार्थी तो हूं ही, जीवन भर विद्या का अर्थी रहना चाहता हूँ।'

राहुलजी की तर्क-युक्तियों का तो किसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। परन्तु उनकी असीम सहनशीलता का लोगों पर जबर्दस्त प्रभाव पड़ा। लोग स्तब्ध और विस्मित हो उठे। इन लोगों को क्या मालूम था कि राहुलजी जेल भी गये तो हंसते रहे।

उस दिन मेरे घर पर आकर राहुलजी ने मुझसे ईषद्हास्य के साथ पूछा 'यहां के संस्कृत-महाविद्यालय में कितने अगस्त्य-दुर्वासा है?'

मैंने कहा- अस्मिन अगस्त्य-प्रमुखा प्रदेशे, भूयांस उद्गीथविदो वसन्ति।

राहुलजी ने झटपट टिप्पणी की 'उद्गीथविद (वेद-विज्ञाता) होकर भी पाशुपतास्त्र, आग्नेयास्त्र और ब्रह्मास्त्र चलाने में वे बड़े निपुण हैं।' मैंने कहा- 'वशिष्ठ और द्रोणाचार्य की सन्तान जो है।' इस पर एक करारा ठहाका लगा। ' सुल्तानगंज मे अपना कार्य समाप्त करने के बाद राहुलजी पटना गये। पटना स्टेशन पर बैरिस्टर और इतिहासकार काशीप्रसाद जायसवाल जिन्होंने मिर्जापुर मे आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के साथ हाई स्कूल की पढाई पूरी की थी और तदुपरांत ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में इतिहास का अध्ययन किया, उनको लेने आये।

शाम के समय युवा कवि दिनकर 'काव्यशास्त्र विनोद' के लिये जायसवालजी की कोठी पर आये। उन्होने जायसवाल जी से कहा-आप जैसा बोलते हैं, ईश?वर पर आपका वैसा ही अविश्वास है या नहीं, इसमें मुझे सन्देह है । अगर ईश्वर-सिद्धि के पक्ष में केवल एक ही दलील हो, तो भी वह काफी है कि कोई था ही नहीं, तो यह सारी सृष्टि आई कहाँ से?' राहुलजी पास ही बैठे थे। जायसवालजी ने संकेत किया। वे झट बोल उठे--'कौन कहता है कि ईश्वर नहीं था? था जरूर,लेकिन, कुछ दिन हुए, बेचारा मर गया। देखते नहीं दुनिया कितनी दुःखी है?' दिनकर जी ने राहुल सांकृत्यायन के संस्मरण मे लिखा, 'तीर लक्ष्य पर लगे और सुनने वाले का जी भी न दुखे, राहुलजी ऐसे व्यंग्य के धनी हैं।

1934 के भूकम्प के समय पटना में महात्मा गांधी ने राहुलजी को किसी विषय पर विचार-विमर्श करने के लिये बुलाया। गांधीजी से मिलकर जब वे बाहर निकले, मालवीय जी ने उनसे पूछा, क्या बौद्ध धर्म अनीश्वरवादी है? राहुलजी ने कहा, बौद्ध दर्शन के तीन स्तम्भ हैः अनीश्वरवाद, अनात्मवाद और क्षणिकवाद। मालवीयजी ने धैर्यपूर्वक राहुलजी की व्याख्या सुनी।

बौद्ध ग्रंथो में धैर्य या क्षान्ति की बडी महिमा है। हम दूसरे के विचार को स्वीकार करें या न करें, अगर हम विपरीत विचार के प्रति धैर्यवान हैं, यह जग-उद्यान नाना प्रकार के सुन्दर विचार-पुष्प से सुशोभित और सुरभित रहेगा। (विनायक फीचर्स)

सड़क बनी आफत: गांगला में जलनिकासी ठप, घरों में घुस सकता है बारिश का पानी

मसनगांव। विकास के नाम पर बनी नई सड़क अब ग्राम गांगला के ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। स्टेट हाईवे से हंडिया मार्ग तक हाल ही में बनाए गए सड़क मार्ग ने गांव की जल निकासी व्यवस्था को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया है। सड़क को ऊंचा बनाने के बावजूद पानी निकासी के लिए न तो नाली बनाई गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई, जिससे आगामी बारिश में जलभराव की गंभीर आशंका पैदा हो गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि पहले सड़क समतल होने के कारण वर्षा का पानी आसानी से दूसरी ओर बने नाले में बह जाता था, लेकिन अब ऊंची सड़क पानी के प्रवाह में बाधा बन रही है। परिणामस्वरूप पानी गांव की ओर ही रुकने लगा है, जिससे कई घरों में पानी घुसने का खतरा मंडरा रहा है। गांव के निचले हिस्सों में स्थिति और भी चिंताजनक है। यहां कई घर सड़क के स्तर से नीचे बने हुए हैं, जहां हल्की बारिश में ही पानी भरने की आशंका बनी रहती है। एक परिवार, जिसमें 11 सदस्य रहते हैं, टीन शेड के मकान में सड़क से सटे निवास करता है। ऐसे में तेज बारिश होने पर उनके घर में पानी घुसने से भारी नुकसान हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि सड़क के किनारे नाली और आवश्यक स्थानों पर पुलिया का निर्माण कराया जाए, ताकि पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके। ग्रामीण जगदीश धार्मिक सतीश का कहना है कि गांव का एक हिस्सा ढलान पर स्थित है, जिससे पानी स्वाभाविक रूप से सड़क किनारे जमा हो जाता है और अब ऊंची सड़क के कारण तालाब जैसी स्थिति बनने का खतरा बढ़ गया है।संबंध में लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री एन. प्रजापति ने कहा कि फिलहाल नाली निर्माण का प्रावधान नहीं है, लेकिन समस्या को देखते हुए पानी निकासी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने का प्रयास किया जाएगा।

जिला अस्पताल में खून की कमी पर ग्राम में रक्तदान शिविर का आयोजन

मसनगांव। जिला अस्पताल हरदा में खून की कमी को देखते हुए रविवार को ग्राम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया शिविर का आयोजन गांव के राधाकृष्ण मंदिर परिसर में दोपहर 1 बजे से किया गया जिसमें 40 प्लस यूनिट ब्लड डोनेट हुआ है जिसमें पुरुष और महिलाओं ने अपनी भागीदारी दी ।शिविर में गांव सहित आसपास के

क्षेत्र के लोगों ने भी पंहुच कर रक्तदान किया, जिला अस्पताल में रक्त की कमी के कारण मरीजों को परेशानी से बचाने के लिए यह शिविर जरूरतमंदों के लिए जीवनदायी साबित होगा।

गांव में इस आयोजन मे सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि एक यूनिट रक्त किसी की जान बचा सकता है, इसलिए हर स्वस्थ व्यक्ति को इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभानी चाहिए।

'एक छोटा सा प्रयास, किसी की जिंदगी बचा सकता है' – इसी संदेश के साथ ग्रामीणों से आगे आने की अपील की गई है। शिविर में लैब टेक्नीशियन बबीता मोह नर्सिंग ऑफिसर सलोनी दुबे सपोर्ट ऑफिसर पवन धनगर ने ब्लड एकत्र कर जिला ब्लड बैंक पहुंचाया

भोपाल विदिशा हाईवे 18 पर स्थित डोला घाट हनुमान मंदिर पर 15 वर्षों से लगातार 24 घंटे चल रहा है रामायण

साल में एक बार जनवरी के महीने में विशाल मेला श्रीमदभागवत एवं राम कथा का होता है आयोजन

दीवानगंज। भोपाल-विदिशा हाईवे 18 पर दीवानगंज के समीप स्थित डोला घाट हनुमान मंदिर आस्था और श्रद्धा का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। यहां पिछले 15 वर्षों से लगातार रामायण पाठ का आयोजन किया जा रहा है, जो क्षेत्र की धार्मिक परंपरा और जनसहभागिता का अनूठा उदाहरण है।

हर वर्ष जनवरी माह में मंदिर परिसर में रामचरितमानस एवं श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन होता है। इस धार्मिक आयोजन में आसपास के लगभग 50 गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल होते हैं और भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त करते हैं।

मंदिर में स्थापित हनुमान जी की मूर्ति भी क्षेत्रीय एकता का प्रतीक है, जिसे आसपास के सभी गांवों के लोगों के सहयोग से स्थापित किया गया है। वर्तमान में मंदिर परिसर में लगातार निर्माण कार्य जारी है, जिससे भविष्य में यह स्थान और भी भव्य रूप ले सकेगा।

इस पुण्य कार्य को आगे बढ़ाने में श्रीश्री 1008 यज्ञ देव चैतन्य महाराज का विशेष योगदान है। उनके मार्गदर्शन में गांव-गांव से चंदा एकत्र कर मंदिर निर्माण कार्य को गति दी जा रही है।

डोला घाट हनुमान मंदिर न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह क्षेत्रीय एकता, आस्था और सहयोग की मिसाल बनकर उभर रहा है।

स्टूडेंट का हेड कांस्टेबल पर आरोप 25 हजार नहीं दिए तो लगाई 151 कार्रवाई के लिए एस पी को लेटर

सीहोर। कोतवाली थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक पर स्वामी विवेकानंद कॉलेज के स्टूडेंट ने मारपीट करने और 25 हजार रुपए की डिमांड पूरी नहीं करने पर धारा 151 के तहत जबरन कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में फरियादी स्टूडेंट के द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक को शिकायती आवेदन भी दिया गया है जिसमें संबंधित प्रधान आरक्षक पर सख्त कानूनी कार्यवाही किए जाने की मांग की गई है।

अंबेडकर पार्क के पास गंज निवासी अमन जोशी आत्मज राजू जोशी के द्वारा दिए गए शिकायती पत्र में अमन ने बताया कि मंगलवार 7 मार्च की रात 9.30 बजे कोतवाली चौराहा स्थित चाय की दुकान पर चाय पी रहा था इस बीच कुछ असमाजिक तत्त्व द्वारा मार-पीट की कोशिश की गई तभी में अपनी सुरक्षा के लिए थाने के अन्दर भागा परन्तु मुझे सुरक्षा देने के बजाय कोतवाली थाना में उपस्थित प्रधान आरक्षक पंकज यादव द्वारा मुझे थाने में ले जाकर मेरी गलती न होने पर भी मेरे साथ मारपीट की गई । मुझ पर 151 धारा लगाई गई जिसको हटाने के लिए मुझसे 25 हजार रुपये की मांग की गई मेरे द्वारा पैसे न दिये जाने पर मुझे एक दिन थाने में बिठाया गया एवं निर्दोष होने के बावजूद भी मुझ पर 151 धारा लगाई गई और मारपीट भी की गई।

अब्दुल्लागंज में किसान उमराव सिंह ने बताया कि उनके पास 8-10 एकड़ जमीन है इस वजह से सरकारी खरीद केंद्र पर स्लॉट की बुकिंग नहीं हो रही है, इसलिए व्यापारी को गल्ला बेचने आए हैं, सरकारी खरीद पर 5 एकड़ तक कृषि भूमि वालों को स्लॉट बुक हो रहे हैं और उन्हें का गेहूं खरीदा जा रहा है किसान ने बताया कि घर में शादी है मजबूरी में तीन से ?400 कुंतल कम में उन्हेंगेहूं बेचना पड़ रहा है।

मौसम साफ होते ही खेतों में लौटी रौनक, फसल समेटने में जुटे किसान

दीवानगंज। क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से खराब मौसम के चलते किसानों की चिंता बढ़ गई थी। तेज हवाओं और बादलों के कारण फसल कटाई और मड़ाई का काम प्रभावित हो रहा था। लेकिन शनिवार और रविवार को मौसम साफ होते ही किसानों ने राहत की सांस ली और तेजी से अपनी फसलों को सहेजने में जुट गए।

गांव-गांव में इन दिनों खेतों में फिर से हलचल देखने को मिल रही है। किसान दिन-रात मेहनत कर अपनी तैयार फसल को सुरक्षित करने में लगे हुए हैं। कई किसान थ्रेसर मशीन की मदद से गेहूं निकालकर उसे घर तक पहुंचा रहे हैं, ताकि खराब मौसम से फसल को नुकसान न हो। किसानों का

कहना है कि मौसम की मार के कारण पहले ही काफी चिंता बनी हुई थी, लेकिन अब साफ मौसम मिलने से काम में तेजी आई है। हालांकि वे अभी भी सतर्क हैं, क्योंकि मौसम कभी भी करवट बदल सकता है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय फसल को सुरक्षित स्थान पर रखना बेहद जरूरी है, ताकि अचानक मौसम खराब होने की स्थिति में नुकसान से बचा जा सके। फिलहाल मौसम साफ रहने से किसानों के चेहरों पर थोड़ी राहत जरूर नजर आ रही है।

खेत में कटी गेहूं फसल में लगी आग, हैंडपंप से पानी भर डालते रहे लोग

बैतूल,(निप्र)। न्यू बैतूल ग्राउंड से सटे एक खेत में काटकर रखी गेहूं फसल में शनिवार दोपहर में अचानक आग भड़क गई। आग इतनी भीषण थी कि आसपास मोती वार्ड के रहवासियों के घरों में धुआं भरने लगा वे दहशत में आ गए और तुरंत बाल्टियां लेकर चेन बनाकर पानी भरकर जलते खेत की आग बुझो लगे। दो फायर ब्रिगेड का 7 हजार लीटर पानी डालकर आग को बुझाया गया। सीएमओ को तुरंत लोगों ने सूचना दी तो नगरपालिका की पहली फायर ब्रिगेड यहां पहुंची। वहीं इस फायर ब्रिगेड के चालक ने जब आग की गंभीरता बताई तो दूसरी फायर ब्रिगेड भी इसके पांच मिनट बाद पहुंच गई। इस बीच लोगों की एकजुटता और सहयोग भी देखते ही बना। लोगों ने भी बाल्टियों की एक चेन बनाकर कतार से लगकर घरों और हैंडपंपों का पानी खेतों में फेंका। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्गों ने भी नगर पालिका अमले का कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग किया। नपा की फायर ब्रिगेड खेत के बीच में जाना चाहती थी लेकिन फेंसिंग ने रास्ते रोक लिए। इस फेंसिंग के कारण फायर अमले को प्रेशर बढ़ाकर खेत के बीच तक पानी पहुंचाना पड़ा। दोनों ओर से पानी पंप करके फेंकना पड़ा। न्यू बैतूल ग्राउंड से सटे अवस्थी परिवार के एक खेत में आग लगी थी। फसल की इस आग को बुझाने तत्काल फायर ब्रिगेड भेज दी गई थी। आग पर काबू पा लिया गया था। लोग खुद आग बुझाने प्रयास कर रहे थे, यह तो अधिकांश जगह होता ही है लोगों का सहयोग जरूरी होता है।

आरओ वाटर प्लांटों पर छापा, नमूने लेकर जांच हेतु भेजे

कलेक्टर के निर्देश पर सिरोंज में संयुक्त टीम की कार्रवाई, स्वच्छता व गुणवत्ता पर दिए सख्त निर्देश

विदिशा,(निप्र)। जिला प्रशासन द्वारा पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सिरोंज तहसील में आरओ वाटर प्लांटों पर औचक निरीक्षण कर नमूने जांच हेतु भेजे गए। यह कार्रवाई कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अभिहित अधिकारी डॉ. रामहित कुमार एवं डिप्टी कलेक्टर श्री अनिल कछवारे के निर्देशन में एसडीएम सिरोंज, नायब तहसीलदार, पटवारी तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी की संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम ने हाल ही में दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित आरओ पानी की गुणवत्ता संबंधी खबरों को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की।

निरीक्षण के दौरान टीम ने छत्री नाका, सिरोंज स्थित जैन वाटर सप्लायर का निरीक्षण किया। इसके साथ ही रोहिलपुरा सिरोंज बायपास स्थित एसएस वाटर प्लांट, मंडी बायपास रोड स्थित रिछारिया वाटर वर्ल्ड तथा सिरोंज बायपास स्थित चंचल चिल्ड वाटर प्लांट का भी औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल द्वारा इन स्थानों से आरओ वाटर के नमूने एकत्रित कर प्रयोगशाला जांच हेतु भेजे गए हैं।

साथ ही आरओ मशीन, चिलर मशीन, फिल्टर सिस्टम आदि की बारीकी से जांच की गई। टीम ने

संबंधित संचालकों को पानी के कैम्पर (डिब्बों) की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा गया कि पेयजल की गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में संचालित आरओ प्लांट संचालकों में हड़कंप की स्थिति देखी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान आम नागरिकों को शुद्ध

जिला स्तरीय लोक सेवक समस्या निवारण शिविर आयोजित, कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने स्वयं सुनी समस्याएं

विदिशा,(निप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तरीय लोक सेवक समस्या निवारण शिविर का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) विदिशा में किया गया। शिविर में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त लोक सेवकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु विशेष व्यवस्था की गई थी। शिविर का उद्देश्य कर्मचारियों एवं पेंशनरों की लंबित समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया गया है।

उक्त शिविर में कार्यरत शिक्षक, कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित हुए और उन्होंने अपनी-अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कीं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने स्वयं शिविर में उपस्थित होकर आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। उनकी मौजूदगी से कर्मचारियों में विश्वास एवं संतोष का वातावरण देखने को मिला। शिविर में वेतन विसंगति, पेंशन प्रकरण, सेवा पुस्तिका सुधार, लंबित एरियर भुगतान, पदोन्नति, अवकाश स्वीकृति एवं अन्य प्रशासनिक विषयों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपस्थित अधिकारियों द्वारा कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि जटिल मामलों के शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित शाखाओं को निर्देशित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि सभी प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे कर्मचारियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। शिविर के आयोजन से कर्मचारियों में संतोष एवं विश्वास का माहौल देखा गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया समेत विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्रामवासियों ने लिया जल स्त्रोतों के संरक्षण का संकल्प

सीहोर,(निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सीहोर जिले के ग्राम बिलपान स्थित देवबड़ला देव स्थान पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर शामिल हुए। इस अवसर उन्होंने ग्रामवासियों के साथ नेवज नदी के उद्गम स्थल पर पूजन किया और जीवनदायिनी नदियों के संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर उन्होंने नेवज नदी के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व के बार में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नेवज नदी (निर्विंध्या) का उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। यह क्षेत्र की कृषि और सभ्यता की रीढ़ रही है। उन्होंने कहा कि नदियाँ केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति की जननी हैं। देवबड़ला जैसे पावन स्थल से निकलने वाली यह धारा हज़ारों परिवारों का पोषण करती है। ' संभाग समन्वयक श्री वरुण आचार्य ने जल गंगा संवर्धन अभियान पर जानकारी देते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। जिला समन्वयक श्रीमती पारुल उपाध्याय ने जिले में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम श्री प्रदीप? सिंह सेंगर, श्री राकेश शर्मा, भगवत शरण लोधी, श्री सजन सिंह दंगोलिया सहित ग्रामवासी, विद्यार्थी और परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

दीक्षांत समारोह में 170 नव चिकित्सकों को डिग्री प्रदान, प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने सेवा भाव का दिया संदेश

विदिशा,(निप्र)। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने आज अटल बिहारी वाजपेई शासकीय मेडिकल कॉलेज में आयोजित दीक्षांत समारोह में वर्ष 2020 बैच के पात्र स्नातक डॉक्टरों को डिग्री प्रदान की। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में उत्साह और गौरव का माहौल देखने को मिला, जहां नव चिकित्सकों के साथ उनके अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि यह दिन न केवल नव डिग्रीधारी डॉक्टरों के लिए ही नहीं बल्कि उनके अभिभावकों के लिए भी अत्यंत विशेष है। उन्होंने कहा कि वर्षों की मेहनत और समर्पण के बाद

आज इन विद्यार्थियों ने अपने और अपने परिवार के सपनों को साकार किया है। उन्होंने नव चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे सेवा भाव को सर्वोपरि रखते हुए जीवनभर मरीजों की निष्ठा से सेवा करें।

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉक्टर को भगवान का दूसरा रूप माना जाता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जितनी विनम्रता और संवेदनशीलता डॉक्टरों के व्यवहार में होगी, उतनी ही गहरी छाप मरीजों के मन-मस्तिष्क पर पड़ेगी, क्योंकि शारीरिक कष्ट में हर व्यक्ति सबसे पहले चिकित्सक के पास ही पहुंचता है। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. मनीष निगम ने संस्थान की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 2020-21 बैच के कुल 170 विद्यार्थियों को आज डिग्री प्रदान की जा रही है। उन्होंने कॉलेज में किए जा रहे नवाचारों और चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे निरंतर विकास की जानकारी भी साझा की। समारोह से पूर्व प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने मेडिकल कॉलेज के विभिन्न वार्डों का भ्रमण भी किया। उन्होंने उन विशेष वार्डों का निरीक्षण किया, जहां नवाचारों के कारण कॉलेज की विशिष्ट पहचान बनी हुई है। इस दौरान डीन द्वारा उन्हें विभिन्न चिकित्सा सुविधाओं और नवाचारों के संबंध में

● जल्द दूर होंगी पॉलिसी होल्डर्स की परेशानियां

हेल्थ इंश्योरेंस में बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने हेल्थ इंश्योरेंस के क्षेत्र में बड़े बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत बीमा नियामक इरडा ने एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है, जो हेल्थ इंश्योरेंस के पूरे ढांचे की गहराई से जांच करेगी और ऐसे सुझाव देगी, जिससे सिस्टम ज्यादा सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद बन सके। इसका मकसद बीमा लेने वाले लोगों की परेशानियों को कम करना और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इसकी पहुंच बनाना है। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में पिछले कुछ वर्षों में हेल्थ इंश्योरेंस लेने वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही समस्याएं भी बढ़ी हैं। लोग लगातार बढ़ते प्रीमियम, अस्पतालों की मनमानी बिलिंग, क्लेम में देरी और पॉलिसी की जटिल शर्तों से परेशान हैं।

कम हुआ आम लोगों का भरोसा

कई बार बीमा होने के बावजूद मरीज को बड़ी रकम अपनी जेब से खर्च करनी पड़ती है। यही वजह है कि आम लोगों का भरोसा इंश्योरेंस सिस्टम पर कुछ हद तक कम हुआ है। इन समस्याओं को देखते हुए बीमा ढांचे में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अस्पतालों की मनमानी बिलिंग सबसे बड़ी समस्या अस्पतालों की मनमानी बिलिंग सबसे बड़ी समस्या है। एक ही बीमारी के इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में अलग-अलग खर्च लिया जाता है। इस गड़बड़ी को दूर करने के लिए अस्पतालों की फीस और टैरिफ सिस्टम की समीक्षा की जाएगी, ताकि इलाज की कीमतों में पारदर्शिता लाई जा सके।

क्या करेगी समिति

हेल्थ इंश्योरेंस से जुड़े हर पहलू की समीक्षा करेगी। समिति यह भी देखेगी कि हेल्थ इंश्योरेंस कितने लोगों तक पहुंच रहा है, दावा निपटान की प्रक्रिया कैसी है, नए बीमा प्लान कैसे बनाए जाएं, लोगों की शिकायतों का समाधान कैसे तेज किया जाए। इसके अलावा फर्जी दावे, गलत बिलिंग और प्रशासनिक कमियों को दूर करने के उपाय भी सुझाएगी। इसके लिए बीमा कंपनियों और अस्पतालों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की कोशिश होगी। समिति यह भी देखेगी कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और निजी बीमा के बीच बेहतर तालमेल कैसे बनाया जाए। इससे लोगों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे और बीमा का फायदा ज्यादा लोगों तक पहुंच सकेगा। साथ ही पॉलिसी को एक कंपनी से दूसरी कंपनी में ले जाना भी आसान हो सकता है।

श्रीलंका में भारत का बड़ा दांव

शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने वहां बड़ी खरीदारी की है

● खरीद ली सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी, देखते रह गया चीन

नई दिल्ली , एजेंसी। श्रीलंका में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए भारत ने एक बड़ा दांव खेला है। नौसेना के लिए युद्धपोत और पनडुब्बी बनाने वाली कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने वहां बड़ी खरीदारी की है। कंपनी ने श्रीलंका की सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में 51 फीसदी कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदी है। रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाली नवरत्न कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने पहली बार किसी विदेशी कंपनी में हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी ने यह हिस्सेदारी 249.5 करोड़ रुपये में खरीदी है। इससे भारत सरकार के मैरिटाइम अमृत काल विजन 2047 के लिए अहम मील का पत्थर माना जा रहा है। इस डील के पूरा होने के बाद कोलंबो डॉकयार्ड के बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। इसमें एमडीएल की नॉमिनी शामिल किए गए हैं। एमडीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर कैप्टन (रिटायर्ड) जगमोहन को कोलंबो डॉकयार्ड का नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनाया गया है। उनकी नियुक्ति 7 अप्रैल, 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। एमडीएल के अन्य नॉमिनीज में बीजू जॉर्ज, डायरेक्टर (शिपबिल्डिंग) और रुचिर अग्रवाल, डायरेक्टर (फाइनेंस) शामिल हैं।

तिमिरा एस गोदाकुंबुरा कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी के एमडी और सीईओ बने रहेंगे ताकि ऑपरेशन में निरंतरता बनी रहे। सनशाइन होल्डिंग्स पीएलसी के डिप्टी चेयरमैन विश गोविंदसामी को एमडीएल के नॉमिनी डायरेक्टर के तौर पर बोर्ड में शामिल किया गया है। एमडीएल भारत के बाहर अपना विस्तार करना चाहती है और यह अधिग्रहण इसी पहल का हिस्सा है। भारत ग्लोबल शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर इकोसिस्टम में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। इसमें कोलंबो डॉकयार्ड अहम भूमिका निभा सकता है। इसकी स्ट्रैजिक लोकेशन और स्थापित क्षमताओं का एमडीएल को फायदा मिलेगा।यह अधिग्रहण भारत के लिए सामरिक रूप से बहुत अहम है। इसकी वजह यह है कि चीन श्रीलंका में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। चीन ने हंबनतोता पोर्ट को 99 साल की लीज पर ले रखा है और साथ ही उसके नेवल शिप लगातार कोलंबो में लंगर डाल रहे हैं। इसने भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। भारत के समुद्री क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति को काउंडर करने के लिए इस अधिग्रहण को अहम माना जा रहा है।

भारत ने श्रीलंका की सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी खरीदी हिस्सेदारी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने कोलंबो डॉकयार्ड में खरीदा 51 प्रतिशत स्टेक चीन के बढ़ते दबदबे को काउंटर करने के लिए इसे अहम माना जा रहा है भारत समुद्री ताकत के मामले में दुनिया में अभी 6वें नंबर पर है

भारत दुनिया में समुद्री ताकत के मामले में अभी 16वें नंबर पर है। भारत का लक्ष्य 2030 तक शिपबिल्डिंग के मामले में दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल होना है और 2047 तक टॉप 5 में आना है। शिपिंग में अपनी धाक जमाने के लिए भारत सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं।

2026 में चमकेगा भारत! बनेगा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर मार्केट

एनएसईएफआई ने की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अब ग्रीन एनर्जी की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में यह दुनिया के सबसे बड़े सोलर एनर्जी मार्केट में शामिल हो सकता है। नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, देश ने हाल के महीनों में सोलर एनर्जी के क्षेत्र में रिकॉर्डतोड़ प्रगति की है। सिर्फ 14 महीनों में करीब 50 गीगावाट नई क्षमता जोड़कर भारत ने कुल सौर क्षमता को 150 गीगावाट तक पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि शुरुआती 50 गीगावाट तक पहुंचने में जहां 11 साल लगे थे, वहीं अब उतनी ही क्षमता बेहद कम समय में जोड़ ली गई है। इस तेज रफ्तार के पीछे सरकार की कई बड़ी योजनाएं और नीतियां हैं, जो सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही हैं। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन जैसी पहलें इस ग्रोथ को मजबूती दे रही हैं। इन योजनाओं की वजह से न केवल बड़े प्रोजेक्ट्स बल्कि घरों और छोटे व्यवसायों में भी सोलर एनर्जी का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। भारत 2030 तक 500 गीगावाट नॉन-फॉजिल एनर्जी क्षमता हासिल करने के लक्ष्य पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी 280-300 गीगावाट तक हो सकती है। मौजूदा रफ्तार को देखें तो भारत हर साल लगभग 50 गीगावाट नई सौर क्षमता जोड़ रहा है, जो इसे 2026 तक दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सौर बाजार बना सकता है। खास बात यह है कि जहां अमेरिका और यूरोप में सोलर एनर्जी की ग्रोथ धीमी पड़ रही है, वहीं भारत लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आने वाले सालों में कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल सेक्टर और डिस्ट्रीब्यूटेड रिनवेबल एनर्जी इस ग्रोथ के सबसे बड़े इंजन बन सकते हैं। कंपनियां अब बिजली के लिए सौर ऊर्जा की ओर तेजी से रुख कर रही हैं, जिससे लागत कम हो रही है और पर्यावरण को भी फायदा मिल रहा है। साथ ही सरकार की स्कीम और मेक इन इंडिया जैसी नीतियों ने सोलर मैन्युफैक्चरिंग को भी मजबूत किया है, जिससे भारत आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

राधाकिशन दमानी, डॉली खन्ना, मुकुल अग्रवाल ने मार्च तिमाही में नई कंपनियों में लगाया पैसा

मुंबई, एजेंसी। मार्च क्वार्टर में घरेलू शेयर बाजारों की स्थिति अच्छी नहीं थी। इस दौरान निफ्टी में 10 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। एक तरफ जहां छोटे निवेशक इस पीरियड में परेशान दिखे तो वहीं दिग्गज निवेशकों ने कई कंपनियों में पैसा लगाया। राधाकिशन दामानी से लेकर मुकुल अग्रवाल तक शेयर बाजार के चर्चित सुपरस्टार्स ने मार्च तिमाही में अनेकों कंपनियों में इनवेस्टमेंट किया है। आइए जानते हैं कि वो कंपनियां कौन सी हैं दिग्गज निवेशक राधाकिशन दमानी ने दांव लगाया है। यह स्टॉक इस साल 12 प्रतिशत तक लुढ़क चुका है। वहीं, बीते एक साल में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 39 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। मार्च तिमाही के दौरान मुकुल अग्रवाल का फोकस एनर्जी सेक्टर की कंपनियों पर टिका रहा। उन्होंने टू कलर में 1.62 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। यह कंपनी डिजिटल टेक्साटाइल प्रीटिंग सेगमेंट में काम करती करती है। मौजूदा समय में यह स्टॉक अपने इश्यू प्राइस से भी नीचे आकर ट्रेड कर रहा है। बता दें, आज सोमवार को टू कलर के शेयरों में बड़ी तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर बीएसई में 179 रुपये के स्तर पर खुले थे। लेकिन कुछ देर के बाद यह 9 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 188.75 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। कई कंपनियों में आशीष कचोलिया ने मार्च तिमाही में निवेश किया है। टेकएरा इंजीनियरिंग, एसजी फिनसर्व, एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज और आशीष कचोलिया ने इनवेस्टमेंट किया है। आज सोमवार को शेयरों में 1 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली है। मधुसूदन केल ने नया निवेश किया है। उन्होंने अपने पोर्टफोलियो में इन दिग्गज कंपनियों को मार्च तिमाही के दौरान जोड़ा है।

सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-अमेरिका युद्ध के बढ़ते तनाव और पाकिस्तान में हुई बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकलने से आज सुबह के कारोबार में सोने और चांदी की कीमतों पर बिकवाली का दबाव देखने को मिला। एमसीएक्स पर सोने का भाव आज 1,51,547 रुपये प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर पर खुला और कुछ

ही मिनटों में 1,51,457 रुपये प्रति 10 ग्राम के को छू गया। जबकि, एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 2.5 प्रतिशत गिरकर 2,37,190 रुपये प्रति किलोग्राम पर आग गई। वहीं इंटरनेशनल मार्केट में सोना 4,723.55 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। चांदी भी यहां दो प्रतिशत टूटकर 74.36 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। यूनियन बैंक प्रिवी के एशिया में प्रमुख परास गुप्ता का कहना है कि वीकेंड की घटनाओं ने नाजुक सीजफायर को खतरे में डाल दिया है।

क्यों गिरे सोने-चांदी के भाव

अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को लेकर महंगाई की चिंताओं ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि, इस्लामाबाद में हुई बातचीत के बेनतीजा रहने के बाद स्थिति और गंभीर हो गई। इसमें ईरान के साथ कोई समझौता नहीं हो सका, जिससे मध्य पूर्व में छह सप्ताह से चल रहे युद्ध को रोकने की उम्मीदों को झटका लगा है।

माइक्रोवेव में पिघला बर्तन, पति-पत्नी को आया आइडिया, खड़ा कर दिया करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली एजेंसी। मधुमिता उदय कुमार और जगदीश कुमार चेन्नई से हैं। पति-पत्नी की इस जोड़ी ने एक सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। उनके स्टार्टअप का नाम 'द इंडस वैली' है। इसकी नींव दोनों ने साल 2016 में डाली थी। इसका आइडिया उन्हें एक निजी हादसे के बाद आया था। तब माइक्रोवेव में एक प्लास्टिक का बर्तन पिघल गया था। इसने उन्हें हेल्दी कुकवेयर के बारे में सोचने के लिए मजबूर किया। इसका मकसद भारतीय रसोई को रसायनों से मुक्त करने के साथ खाना पकाने के पारंपरिक तरीकों को आधुनिक रूप में वापस लाना है। आज यह ब्रांड रसायनों से मुक्त कुकवेयर का विकल्प दे रहा है। कुछ ही सालों में इस बिजनेस का वैल्यूएशन करोड़ों में पहुंच गया है। आइए, यहां मधुमिता और जगदीश की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। मधुमिता उदय कुमार और जगदीश कुमार चेन्नई के रहने वाले हैं। साल 2016 में उन्होंने अपने स्टार्टअप 'द इंडस वैली' की शुरुआत की थी। इसका विचार एक घरेलू दुर्घटना के बाद आया, जब माइक्रोवेव में प्लास्टिक का बर्तन पिघल गया। मधुमिता ने महसूस किया कि हम रेसिपी और सामग्री पर तो ध्यान देते हैं। लेकिन, जिस बर्तन में खाना बन रहा है, उसकी सेहत को नजरअंदाज करते हैं। बाजार में भरोसेमंद और पारंपरिक विकल्पों (जैसे मिट्टी, लोहा, पीतल के बर्तनों) की कमी को देखकर मियां-बीवी ने इस कमी को पूरा करने का फैसला किया। व्यावसायिक मोर्चे पर कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में शानदार प्रदर्शन किया है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी का रेवेन्यू 61 प्रतिशत बढ़कर 117 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 72.5 करोड़ रुपये था। मुख्य रूप से कुकवेयर उत्पादों की बिक्री से 114.5 करोड़ रुपये की कमाई हुई। हालांकि, विज्ञापन और परिचालन खर्चों में बढ़ोतरी हुई। लेकिन, कंपनी ने अपनी वित्तीय दक्षता में सुधार किया है। कपल ने दिसंबर 2024 में 23 करोड़ रुपये की फंडिंग जुटाई थी। इसके कंपनी का वैल्यूएशन अब बढ़कर 303 करोड़ रुपये हो गया है। आने वाले 5 सालों में जगदीश और मधुमिता का टारगेट कंपनी को 'चैनल-एग्नोस्टिक' बनाना है। स्टोर्स के जरिए भी हर घर तक अपनी पहुंच बनाने पर है। 'नौकरी वाली मानसिकता' से निकलकर 'उद्यमी मानसिकता' में आना उनके लिए एक बड़ी चुनौती और सीखने वाला अनुभव था।

इंजीनियरिंग का बैकग्राउंड आया काम

जगदीश और मधुमिता आईटी इंजीनियर होने के साथ ही एमबीए हैं। अपना खुद का ब्रांड शुरू करने से पहले मधुमिता ने डेलॉयट जैसी प्रतिष्ठित फर्म में ऑपरेशंस और एचआर क्षेत्र में काम किया। वहीं, जगदीश सेल्स और मार्केटिंग में थे। संस्थापकों ने इसी बैकग्राउंड का इस्तेमाल करके अपने ब्रांड को एक भरोसेमंद नाम बनाया। उन्होंने 200 से अधिक केमिकल फ्री प्रोडक्ट पेश किए। ग्राहकों को इनके इस्तेमाल और रख-रखाव के प्रति जागरूक भी किया। ब्रांड का नाम सिंधु घाटी सभ्यता से प्रेरित है, जो मेटल साइंस और कृषि में अपनी उन्नति के लिए जानी जाती थी।

● भारत ने उठाए ताबड़तोड़ कदम ● संकट से पहले और बाद में आया फर्क

अमेरिका-ईरान सीजफायर अधर में लटका

नई दिल्ली, एजेंसी। पूरी दुनिया की नजर अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर टिकी हुई थी। लेकिन, पाकिस्तान में 21 घंटे की मैराथन बातचीत के बावजूद यह समझौता नहीं हो पाया। इसने दो हफ्ते के लिए लागू सीजफायर के भविष्य को अब अधर में लटका दिया है। दोनों पक्ष वार्ता विफल होने के लिए एक-दूसरे पर तोहमत लगा रहे हैं। इस बीच भारत ने अपने बंदोबस्त बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ईंधन सप्लाई में आई बाधाओं के बीच भारत ने ताबड़तोड़ कदम उठाए हैं। उसने छोटे पांच किलो के एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई बढ़ा दी है। इसी के साथ पाइप से मुहैया कराई जाने वाली नैचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन का विस्तार भी तेज कर दिया है। यही नहीं, घरेलू एलपीजी उत्पादन को बढ़ाकर 60 फीसदी करने में भी कामयाबी हासिल की है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 23 मार्च से अब तक पांच किलो के 13 लाख से अधिक एलपीजी सिलेंडर बेचे गए हैं। इनकी दैनिक बिक्री एक लाख से अधिक हो गई है। यह कदम प्रवासी श्रमिकों और कम आय वर्ग के उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए उठाया गया है। इसी अवधि में 4.24 लाख से अधिक नए पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं। वहीं, 30,000 से अधिक उपभोक्ताओं ने एलपीजी कनेक्शन वापस कर पीएनजी को अपनाया है। हालांकि, कच्चे तेल की कमी को अन्य स्रोतों से पूरा कर लिया गया है। लेकिन, एलपीजी सप्लाई प्रभावित हुई है। ऐसे में सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी सप्लाई को प्राथमिकता दी है। होटल-रेस्तरां जैसे वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए सप्लाई में कटौती की है।

संकट से पहले फरवरी में जहां रोजाना लगभग 77,000 सिलेंडर बिक रहे थे। वहीं, पिछले दो-तीन सप्ताह में यह संख्या एक लाख से अधिक हो गई है। सरकार के अनुसार, घरेलू एलपीजी सप्लाई कुल मिलाकर स्थिर बनी हुई है। कहीं भी कमी की सूचना नहीं है। 11 अप्रैल को 52 लाख से अधिक सिलेंडर डिस्ट्रीब्यूट किए गए। मांग का लगभग 98 फीसदी हिस्सा ऑनलाइन बुकिंग के जरिए पूरा हो रहा है। वहीं, वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए 93 फीसदी लेनदेन में सत्यापन प्रणाली लागू की गई है। कमर्शियल एलपीजी की उपलब्धता भी अब संकट से पहले के स्तर के करीब 70 फीसदी तक बहाल हो गई है। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड राज्य सरकारों के साथ मिलकर सप्लाई को सुचारु बना रही हैं। सरकार के मुताबिक, रिफाइनरियां ऊंची क्षमता पर काम कर रही हैं। कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। साथ ही, घरेलू एलपीजी उत्पादन भी बढ़ाया गया है। भारत अपने घरेलू एलपीजी उत्पादन को बढ़ाने में भी सफल रहा है। इससे देश की कुल जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो रहा है।

आईपीओ की आहट, 12 प्रतिशत चढ़ा टाटा ग्रुप का स्टॉक, निवेशकों में खरीदने की होड़

मुंबई, एजेंसी। एक तरफ शेयर बाजार में आज सोमवार को भारी बिकवाली देखने को मिल रही है तो वहीं दूसरी टाटा केमिकल्स और टाटा इनवेस्टमेंट के शेयरों को खरीदने की होड़ सी मची हुई है। इस उछाल के पीछे की वजह टाटा संस की लिस्टिंग की संभावना को माना जा रहा है। बता दें, 2024 के बाद टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयरों में एक दिन में अबतक यह सबसे बड़ी तेजी है। वहीं, यह लगातार चौथा कारोबारी दिन है जब टाटा केमिकल्स के शेयरों में उछाल दर्ज की गई है। टाटा केमिकल्स के शेयर आज सोमवार को बीएसई में 688.10 रुपये के स्तर पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत की तेजी के बाद 773.10 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। बता दें, बीते 8 में से 6 कारोबारी दिनों में टाटा केमिकल्स के शेयरों का भाव ऊपर ही चढ़ा है। इस दौरान टाटा की इस कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 32 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

टाटा इनवेस्टमेंट के शेयरों की कीमतों में 8.5 प्रतिशत की तेजी आज सोमवार को देखने को मिली है। टाटा इनवेस्टमेंट का शेयर 650.45 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में यह स्टॉक 722.45 रुपये के इंट्रा-डे हाई तक पहुंच गए। टाटा इनवेस्टमेंट की भी टाटा संस में हिस्सेदारी है। आरबीआई के अपर लेयर एनबीएफसी नियमों में अगर कोई बदलाव नहीं देखने को मिला। तब की स्थिति में मौजूदा नियमों के अनुसार टाटा संस की लिस्टिंग अनिवार्य हो जाएगी। अगर टाटा संस की शेयर बाजार में लिस्टिंग होती है तो यह मौजूदा निवेशकों के लिए काफी अच्छी खबर होगी। टाटा केमिकल्स के 2025 के रिपोर्ट के अनुसार टाटा संस में कंपनी की कुल होल्डिंग्स 10237 सिक्योरिटीज है। तब उसकी कीमत 57 करोड़ रुपये थी। पिछले हफ्ते शापूरजी पालोनजी के चेयरमैन ने टाटा संस की लिस्टिंग की इच्छा को व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था कि कंपनी को शेयर बाजार में लिस्ट कर देना चाहिए। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी। बता दें, टाटा संस में शापूरजी पालोनजी ग्रुप की कुल हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से थोड़ी अधिक है। टाटा ट्रस्ट के बाद उनके पास ही टाटा संस में सबसे बड़ा हिस्सा है। मार्च 2024 में टाटा संस ने 22000 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया था। टाटा संस शेयर बाजार में लिस्टिंग नहीं चाहता है। आरबीआई के संशोधित ड्राफ्ट के अनुसार की क्लासिफिकेशन पैरामीट्रिक स्कोरिंग मॉडल को खत्म करने का प्रस्ताव दिया है।

कोहली ने बाबर-गेल का रिकॉर्ड तोड़ा

- रोहित ने मुंबई के लिए 6 हजार रन पूरे किए, पाटीदार की आरसीबी के लिए सेकेंड फास्टेस्ट फिफ्टी

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के 20वें मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराया। वानखेड़े स्टेडियम में रविवार को विराट कोहली टी-20 में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारियां करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने बाबर आजम और क्रिस गेल को पीछे छोड़ा। मैच में रोहित शर्मा ने भी खास उपलब्धि हासिल की। उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन पूरे किए। रजत पाटीदार ने 17 गेंदों में फिफ्टी लगाकर आरसीबी के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया और गेल की बराबरी की।

बेंगलुरु ने लगातार चौथी बार 200+ स्कोर बनाया- आरसीबी ने आईपीएल 2026 में लगातार चौथी बार 200+ स्कोर बनाया। लगातार सबसे ज्यादा 200+ स्कोर का रिकॉर्ड सनराइजर्स हैदराबाद (5 बार, 2025-26) के नाम है। पंजाब किंग्स (2023) और बेंगलुरु (2024) ने 4-4 बार यह किया था।

पाटीदार ने क्रिस गेल की बराबरी की- रजत पाटीदार ने 17 गेंदों में फिफ्टी लगाकर आरसीबी के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया। उन्होंने क्रिस गेल की बराबरी की, जिन्होंने 2013 में 17 गेंदों में फिफ्टी लगाई थी। इस लिस्ट में टॉप पर रोमारियो शेफर्ड हैं, जिन्होंने 2025 में 14 गेंदों में यह किया था।

कोहली ने मुंबई के खिलाफ 7वां 50+ स्कोर बनाया
विराट कोहली ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सातवां 50+ स्कोर बनाकर सुरेश रैना और डेविड वॉर्नर की बराबरी की। इस लिस्ट में टॉप पर केएल राहुल हैं, जिनके नाम 9 स्कोर हैं। कोहली ने वानखेड़े में अपने टी-20 करियर का 9वां 50+ स्कोर 23 मैचों में पूरा किया।

कोहली ने 47वीं बार शतकीय साझेदारी की
विराट कोहली टी-20 में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारियां करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने पहले विकेट के लिए फिल सॉल्ट के साथ 120 रन जोड़े। यह कोहली की 47वीं साझेदारी थी। उन्होंने बाबर आजम और क्रिस गेल (46-46) को पीछे छोड़ा।

रोहित ने मुंबई के लिए 6 हजार रन पूरे किए
रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन पूरे किए। इस लिस्ट में टॉप पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने आरसीबी के लिए 8800+ रन बनाए हैं। तीसरे नंबर पर महेंद्र सिंह धोनी और चौथे पर सुरेश रैना हैं, जिन्होंने चेन्नई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं।

आशा भोसले को श्रद्धांजलि दी गई

पिट्ठू प्रतियोगिता में छाईं पौड़ी की लड़कियां, रुद्रप्रयाग के लड़के

रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ समापन

देहरादून (एजेंसी)। राजधानी के जीआरडी गर्ल्स डिग्री कॉलेज (प्रेमनगर) में चल रही 'प्रथम राज्य स्तरीय जूनियर बालक-बालिका पिट्ठू प्रतियोगिता' का रविवार को समापन हुआ। देहरादून

- फाइनल मुकाबले में पौड़ी की बालिकाओं ने रुद्रप्रयाग को हराया

पिट्ठू एसोसिएशन की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में पौड़ी की लड़कियों और रुद्रप्रयाग के लड़कों ने अपना दबदबा कायम करते हुए चैंपियन का ताज पहना। वहीं, बालिका वर्ग में उत्तरकाशी और बालक वर्ग में मेजबान देहरादून ने तीसरा स्थान हासिल किया। रविवार को खेले गए

सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने जमकर पसीना बहाया और दर्शकों को कई रोमांचक मैच देखने को मिले।

- **बालक वर्ग में भी टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली-** पहले सेमीफाइनल में रुद्रप्रयाग ने उत्तरकाशी को 80-67 से हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में पौड़ी ने देहरादून को 127-48 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। मेजबान देहरादून ने तीसरे मुकाबले में उत्तरकाशी को 58-42 से हराकर तीसरा स्थान सुनिश्चित किया। जबकि खिताबी मुकाबले में रुद्रप्रयाग के खिलाड़ियों ने रणनीति के तहत खेलते हुए पौड़ी को 75-67 से मात दी और चैंपियन बन गए।

बालिका वर्ग के फाइनल में पौड़ी ने रुद्रप्रयाग को 99-63 से हराया

बालिका वर्ग में पौड़ी का एकतरफा दबदबा रहा और खिताबी सफर में टीम ने बेहतरीन खेल दिखाया। दिन के पहले सेमीफाइनल में रुद्रप्रयाग ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में उत्तरकाशी को 49-44 से हराया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में पौड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देहरादून को 133-39 के बड़े अंतर से एकतरफा शिकस्त दी।

तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में उत्तरकाशी ने देहरादून को 56-40 से हराकर बाजी मारी। जबकि खिताबी मुकाबले में पौड़ी की बालिकाओं का दबदबा कायम रहा और उन्होंने रुद्रप्रयाग को 99-63 से हराकर राज्य स्तरीय ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।

विजेताओं को किया गया सम्मानित

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के प्रतिनिधि राय सिंह नेगी, उत्तराखंड पिट्ठू एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद पांडे और सचिव अश्वनी भट्ट ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित कर उनका हौसला बढ़ाया। इस मौके पर जीआरडी कॉलेज के निदेशक सिद्धांत चमोली, प्राचार्या प्रियंका सिंह, सुशील चमोली, देहरादून पिट्ठू एसोसिएशन के सचिव विनोद पंवार, शशांक उनियाल, ओम प्रकाश, जितेंद्र लिंगवाल, मुकेश और संध्या थापा समेत कई खेल प्रेमी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आयुष शेट्टी ने एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में सिल्वर जीता

फाइनल में चीनी खिलाड़ी से हारे, 60 साल बाद कोई भारतीय खिताबी मुकाबला खेल रहा था

झेजियांग (एजेंसी)। भारतीय शटलर आयुष शेट्टी को बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। फाइनल मुकाबले में उन्हें चीन के शी यू की के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

60 सालों के बाद किसी भारतीय ने चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स कैटेगरी के फाइनल में जगह बनाई थी। आयुष से पहले दिनेश खन्ना ने 1965 में मेंस सिंगल्स में गोल्ड जीता था।

रविवार को चीन के झेजियांग में खेले गए फाइनल में आयुष का मुकाबला दुनिया के नंबर-2 खिलाड़ी शी यू की से था। 20 साल के आयुष यह मैच 8-21, 10-21 से सीधे गेम में हार गए।

सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय- इस हार के बावजूद आयुष ने अपने करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वो बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय मेंस शटलर बन गए हैं। इससे पहले 1965 में दिनेश खन्ना ने इस टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीता था। खन्ना के बाद फाइनल तक का सफर तय करने वाले आयुष पहले भारतीय खिलाड़ी हैं।

टूर्नामेंट में भारत का 19वां मेडल

बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप 1962 से खेली जा रही है। टूर्नामेंट में यह भारत का कुल 19वां मेडल है। भारत ने अब तक 2 गोल्ड, 1 सिल्वर (आयुष) और 16 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। 1965 में दिनेश खन्ना ने सिंगल्स में और 2023 में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने मेंस डबल्स में गोल्ड जीता था।

सेमीफीइनल में डिफेंडिंग चैंपियन को हराया

इस पूरे टूर्नामेंट में आयुष का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने वर्ल्ड नंबर 1, वर्ल्ड नंबर 4 और वर्ल्ड नंबर 7 जैसे टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को हराया था। शनिवार को हुए सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-25 आयुष ने डिफेंडिंग चैंपियन और नंबर-1 प्लेयर कुन्लावत वितिदसर्न को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

रूमर्ड गर्लफ्रेंड समरीन कौर के साथ दिखे अर्शदीप सिंह

वायरल हुआ यह क्यूट वीडियो

मुंबई (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के स्टार खिलाड़ी अर्शदीप सिंह इन दिनों अपनी गेंदबाजी की वजह से नहीं, बल्कि निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। अर्शदीप ने हाल ही में अपनी गर्लफ्रेंड के हाथों में हाथ डालकर फोटो शेयर की थी। उसके बाद से चर्चाओं का बाजार गर्म है कि आखिर अर्शदीप की गर्लफ्रेंड है कौन! इसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने दावा किया कि पंजाबी अभिनेत्री और मॉडल समरीन कौर ही अर्शदीप की गर्लफ्रेंड हैं। अब अर्शदीप आईपीएल 2026 के दौरान अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड समरीन के साथ स्पॉट भी हुए हैं। दोनों एक साथ नजर आए और क्यूट पल बिताते दिखे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

अर्शदीप ने साझा की थी तस्वीर- अर्शदीप का हाल ही में स्नैपचैट वीडियो वायरल हुआ था।

टीम ट्रैवल के दौरान का वीडियो

वीडियो आईपीएल के दौरान का ही, क्योंकि अर्शदीप के पीछे पंजाब की टीम बस खड़ी दिख रही है। अर्शदीप भी सामान के साथ हैं, यानी वीडियो टीम ट्रैवल के दौरान की है। अर्शदीप के साथ समरीन खड़ी हैं और अर्शदीप कुछ क्यूट से जेस्चर बनाते हैं और समरीन उस पर हंसने लगती हैं। इसके बाद समरीन से मिलने कोई महिला आती है और समरीन उनसे गले मिलती दिखती हैं।

200 मीटर रेस में बोल्ट से भी तेज निकले गाउट

ऑस्ट्रेलिया के 18 वर्षीय गाउट ने रेस 19.67 सेकंड में पूरी कर बोल्ट का इस उम्र का रिकॉर्ड तोड़ा

सिडनी (एजेंसी)। एथलेटिक्स की दुनिया में कल एक ऐसा चमत्कार हुआ, जिसने भविष्य की सुनहरी झलक पेश कर दी। सिडनी ओलिंपिक पार्क एथलेटिक सेंटर में 18 वर्षीय स्प्रिंट सनसनी गाउट गाउट ने 200 मीटर के फाइनल में 19.67 सेकंड का अविश्वसनीय समय निकालकर इतिहास रच दिया। यह समय न केवल महान उसैन बोल्ट के रिकॉर्ड से तेज है, बल्कि इसने ऑस्ट्रेलियाई एथलेटिक्स के एक नए युग का सूत्रपात भी कर दिया है।

खेल इतिहास में तुलनाएं अक्सर की जाती हैं, लेकिन गाउट ने आंकड़ों से अपनी श्रेष्ठता साबित की। साल 2004 में उसैन बोल्ट ने 18 साल की उम्र में 19.93 सेकंड का समय निकाला था। ऑस्ट्रेलियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में गाउट ने उनसे कहीं आगे निकलते हुए 19.67 सेकंड में फिनिश लाइन पार की और गोल्ड मेडल जीता। यह इस साल दुनिया का सबसे तेज समय है। गाउट के लिए यह जीत एक भावनात्मक पल भी थी। पिछले साल उन्होंने 19.84 सेकंड का समय निकाला था, लेकिन वह 'अवैध टेलविंड' के कारण आधिकारिक नहीं हो सका था। इस बार 1.7 मीटर प्रति सेकंड की वैध हवा की गति के साथ उन्होंने रफ्तार पर मुहर लगा दी। रेस की शुरुआत सामान्य थी। उम्मीद थी कि गाउट जल्द ही बढ़त बना लेंगे, लेकिन एडन मर्फी ने गाउट को कदम-कदम पर कड़ी टक्कर दी। मर्फी की इस चुनौती ने गाउट के भीतर के 'एथलेटिक दानव' को जगा दिया। अंतिम मीटरों में गाउट ने अपनी सिग्नेचर टॉप-स्पीड पकड़ी और जब स्कोरबोर्ड पर समय चमका, तो पूरा स्टेडियम स्तब्ध रह गया। इस प्रदर्शन में एडन मर्फी की भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता। मर्फी ने 19.88 सेकंड का समय निकाला और दूसरे स्थान पर रहे। यह पहली बार है, जब एक ही रेस में दो ऑस्ट्रेलियाई धावकों ने 20 सेकंड से कम में रेस पूरी की है। मर्फी ने पीटर नॉर्मन के 1968 के उस रिकॉर्ड को तोड़ने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की, जो दशकों से अभेद्य लग रहा था।

हार्दिक के आउट होने पर क्रुणाल ने आक्रामक तरीके से मनाया जश्न, अटकलों का बाजार गर्म

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के मुकाबले में मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच सिर्फ मैच ही नहीं, बल्कि दो भाइयों की कहानी भी सुर्खियों में रही। हार्दिक पांड्या और क्रुणाल पांड्या के बीच रिश्तों में खटास की अटकलें तेज हो गई हैं। सबसे ज्यादा चर्चा उस पल की हुई जब हार्दिक पांड्या के आउट होने पर क्रुणाल ने काफी आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। यह दृश्य फैंस के लिए चौंकाने वाला था, क्योंकि दोनों भाई पहले मैदान पर अक्सर एक-दूसरे के साथ मजाक और गर्मजोशी दिखाते थे।

हार्दिक के आउट पर क्रुणाल का जश्न क्यों चर्चा में- मैच के दौरान हार्दिक पांड्या 22 गेंदों में 40 रन बनाकर खेल रहे थे। वह बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में जैकब डफी की गेंद पर आउट हो गए, जहां कैच रोमारियो शेफर्ड ने लपका। जैसे ही विकेट गिरा, क्रुणाल पांड्या तेजी से दौड़ते हुए आए और काफी जोश के साथ जश्न मनाया। उन्होंने अजीब तरीके से सिर को भी घुमाया। यह जश्न इतना आक्रामक था कि सोशल मीडिया पर तुरंत चर्चा शुरू हो गई कि क्या दोनों भाइयों के बीच सब ठीक नहीं है।

मैच के दौरान नहीं दिखी कोई बातचीत- फैंस ने यह भी नोटिस किया कि पूरे मैच के दौरान हार्दिक और क्रुणाल के बीच कोई बातचीत या सामान्य गर्मजोशी नजर नहीं आई। यहां तक कि मैच के बाद भी दोनों ने हाथ मिलाते हुए या हंसते-मुस्कुराते हुए नजर नहीं आए। जब क्रुणाल गेंदबाजी कर रहे थे, तब भी दोनों ने एक-दूसरे को ठीक से नहीं देखा।

सोशल मीडिया से शुरू हुई दरार की चर्चा- दरअसल, सोशल मीडिया पर फैंस दावा कर रहे हैं कि पांड्या ब्रदर्स के बीच दूरी की अटकलें पहले से ही चल रही थीं। फैंस के मुताबिक, टी20 विश्वकप 2026 में हार्दिक के शानदार प्रदर्शन के बावजूद क्रुणाल ने उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई नहीं दी। हार्दिक ने इस टूर्नामेंट में 217 रन बनाए और नौ विकेट लिए।

दो ही रास्ते हैं, लगातार तीन हार के बाद हार्दिक का मुंबई पलटन को सख्त संदेश

मुंबई (एजेंसी)। लगातार तीन हार के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टीम को सख्त संदेश देते हुए कहा कि उनके पास दो ही विकल्प हैं, या तो अलग-अलग सोचें या एकजुट होकर समस्याओं का सामना करें। आरसीबी के खिलाफ हार के बाद पांड्या ने गेंदबाजी और रणनीति पर भी सवाल उठाए और टीम में बदलाव के संकेत दिए। आईपीएल 2026 में लगातार तीन हार के बाद मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी तनावपूर्ण नजर आया। हार्दिक पांड्या, जो टीम के कप्तान हैं, बेहद गंभीर और निराश दिखे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में मिली 18 रन की हार ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दीं। इस मैच में मुंबई इंडियंस कभी भी लक्ष्य का पीछा करते हुए नियंत्रण में नहीं दिखी।

या साथ लड़ो, या अलग सोचो

मैच के बाद ड्रेसिंग रूम में हार्दिक पांड्या ने पूरी टीम को संबोधित करते हुए साफ शब्दों में कहा कि अब टीम के पास सिर्फ दो विकल्प बचे हैं। उन्होंने कहा, एमजे (माहेला जयवर्धने) ने जो कहा, उसी को आगे बढ़ाते हुए मैं कहूंगा कि हमारे पास दो ही विकल्प हैं। या तो हम अपने-अपने कमरों में जाएं, खुद को एकाग्र करें और अकेले सोचें। मुझे पता है हारना मुश्किल होता है, लेकिन दूसरा यह है कि हमें सीखना होगा गायब नहीं होना है। यह हमेशा जीतना और सीखना है, हारना नहीं। उन्होंने आगे टीम को एकजुट रहने की सलाह दी, %जब हम होटल वापस जाएं, तो साथ में खाना खाएं। क्रिकेट की बात करें, कुछ और बात करें, लेकिन मिलकर इसका हल निकालें।

आरसीबी के खिलाफ क्यों हारी मुंबई?

इस मुकाबले में आरसीबी के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। विराट कोहली, फिल सॉल्ट और रजत पाटीदार की पारियों की बदौलत टीम ने 240 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। मुंबई के लिए यह लक्ष्य काफी बड़ा साबित हुआ और टीम 222/5 तक ही पहुंच सकी। हालांकि, शेरफेन ने 31 गेंदों में 71 रन की तूफानी पारी खेली, लेकिन वह टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं थी।

गेंदबाजी पर उठे सवाल- मैच के बाद हार्दिक पांड्या ने गेंदबाजी यूनिट पर भी चिंता जताई और माना कि टीम ने जरूरत से ज्यादा रन दिए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने बहुत ज्यादा रन दे दिए। 241 का लक्ष्य हमेशा मुश्किल रहने वाला था।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक पंकज सिंह भदौरिया द्वारा श्री बालाली प्रिंटर्स प्लाट नंबर 137, 138, 139 सेक्टर 01 स्पेशल इंडस्ट्रीयल एरिया गोविन्दपुरा भोपाल, मप्र से मुद्रित कर 432 सेक्टर बी सर्वधर्म कालोनी, कोलार दामखेड़ा हुजूर भोपाल 462042 मप्र से प्रकाशित। संपादक- पंकज सिंह भदौरिया। (सभी विवाद भोपाल न्यायालय में मान्य होंगे।)

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस में राहुल गांधी को हटाने का माहौल बन रहा : सीएम फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस में उन्हें

हटाने का माहौल बन रहा है, क्योंकि वह पार्टी को चुनाव में जीत नहीं दिला पा रहे हैं। फडणवीस ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा कि गांधी केवल अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं और अपने नेतृत्व को लगातार मिल रही हार से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। फडणवीस ने दावा किया, 'कांग्रेस में राहुल गांधी को हटाने का माहौल बन रहा है, क्योंकि वह पार्टी के लिए चुनावी जीत सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं।' उन्होंने कहा कि गांधी ने अपनी पार्टी के भीतर जारी संघर्ष से ध्यान हटाने के लिए ऐसे बयान दिए हैं। राहुल ने आरोप लगाए थे कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का उद्देश्य संविधान को खत्म करना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए। उन्होंने मंडी हाउस से 14 अप्रैल को भीमराव आंबेडकर की जयंती से पहले यहां 'रन फॉर आंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टीट्यूशन' मैराथन शुरू होने से पहले एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'आंबेडकर जी का मुख्य संदेश संविधान का था। संविधान के बिना जिसे हम भारत कहते हैं, वह नहीं होता। उन्होंने कहा था, 'आज जो लोग आरएसएस-भाजपा की सोच के हैं, वे संविधान को खत्म करना चाहते हैं। वे कुछ भी कहें, उनका असली उद्देश्य संविधान को मिटाना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए।' उन्होंने कहा, 'वे (आरएसएस-भाजपा) चाहे जो करें, वे आंबेडकर जी की प्रतिमा के सामने सिर भी झुकाते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य संविधान को खत्म करना है। हमारा उद्देश्य संविधान की रक्षा करना और उसे मजबूत करना है।'

बेटी की गर्दन फंसने से मौत, गुरुग्राम में खेल-खेल में चली गई जान

गुरुग्राम, एजेंसी। घर की दीवार की ग्रिल से साड़ी का झूला बनाकर गोल-गोल घूम रही 13 वर्षीय किशोरी का गला अचानक साड़ी में फंस गया। साड़ी से गला दबने से किशोरी की मौत हो गई। घटना सेक्टर-9 थाना क्षेत्र के देवीलाल कॉलोनी में रविवार शाम की है। किशोरी अपनी दो छोटी बहनों के साथ घर में खेल रही थी। इसी दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी है। कई बार बच्चे घरों के पर्दे में लटक कर झूला झूलते हैं। इस तरह देवीलाल कॉलोनी में रहने वाली 13 साल की रानी कुमारी अपनी दो छोटी बहनों के साथ दीवार की ग्रिल में मां की साड़ी डालकर उससे लटककर गोल-गोल झूल रही थी। झूलते समय कब साड़ी उसकी गर्दन में लिपट गई, उसे पता नहीं चला। वहीं, हालत बिगड़ने पर परिवार के लोग उसे सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोरी के पिता सुरेश सिंह ने बताया कि वह मूल रूप से सीतामढ़ी जिले के रहने वाले हैं और कई सालों से देवीलाल कॉलोनी में किराए पर रहकर सिलाई का काम करते हैं। उनकी तीन बेटियां हैं। रविवार शाम तीनों घर में खेल रही थीं। वह और उनकी पत्नी भी घर में ही मौजूद थे, लेकिन यह सब कैसे हुआ उन्हें कुछ भी पता नहीं चला। बेटी की मौत पर परिवार का रो रो कर बुरा हाल है।

असम की सबसे युवा प्रत्याशी कुंकी चौधरी को पुलिस का समन

गुवाहटी, एजेंसी। असम जातीय परिषद (एजेपी) की असम की सबसे युवा प्रत्याशी 27 साल की कुंकी चौधरी और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के बीच ठनी हुई है। सीएम सरमा उनकी मां पर भी बीफ खाने और दिखावा करने का आरोप लगा चुके हैं। इसी बीच असम पुलिस ने गुवाहाटी सेंट्रल से पार्टी के उम्मीदवार कुंकी चौधरी को समन भेजा है। वहीं एजेपी ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर निशाना साधते हुए दावा किया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निर्वाचन क्षेत्र में अपने खिलाफ जनादेश को देख कर घबरा गई है।

चुनाव संबंधी मामले में समन मिलने के बाद चौधरी सुबह पानबाजार पुलिस थाना पहुंचीं। उन्हें शनिवार को नोटिस देकर रविवार सुबह 11 बजे से पहले पुलिस के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था और ऐसा नहीं करने पर उनकी गिरफ्तारी की बात कही गई थी। कुंकी चौधरी करीब दो घंटे की पूछताछ के बाद पुलिस थाना से बाहर आईं और वहां इंतजार कर रहे संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने जांच अधिकारी के सामने अपना बयान दर्ज कराया है।

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

बीजेपी कार्यकर्ता नबा कुमार लखकर ने नौ अप्रैल को मतदान के दिन चौधरी और उनके चुनाव प्रचार अभियान प्रबंधक संदीप यादव के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। कुमार ने आरोप लगाया गया था कि दोनों ने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन किया और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनावों के संचालन में बाधा डाली।

एजेपी ने असम पुलिस द्वारा उसके उम्मीदवार का कथित 'उत्पीड़न' किए जाने की निंदा की और असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। वकील शांतनु बोरठाकुर ने पुलिस थाने के बाहर संवाददाताओं से कहा, 'प्राथमिकी में लगाए गए सभी आरोप

जमानती हैं, इसलिए उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। वास्तव में, आरोप बिल्कुल भी गंभीर नहीं हैं। एक मामला दर्ज किया गया है और इतने कड़े शब्दों में समन केवल परेशान करने के लिए जारी किया गया है।' उन्होंने सवाल किया कि अभी आदर्श आचार संहिता लागू है, और जब मुख्य सचिव सरकार चला रहे हैं, तो मुख्यमंत्री कथित तौर पर यह कैसे कह सकते हैं कि उन्होंने पुलिस भेजी थी? बोरठाकुर ने कहा, 'कुंकी ने चुनाव लड़ा और पूरे राज्य के लिए एक विमर्श तैयार किया, जो भाजपा के लिए नुकसानदायक साबित हुआ। इसीलिए राजनीति से प्रेरित होकर यह मामला दर्ज किया गया है।''उन्होंने पुलिस से यह भी सवाल किया कि चौधरी द्वारा कथित तौर पर भाजपा आईटी प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा फैलाए गए 'डीप फेक' वीडियो के संबंध में दर्ज कराई गई शिकायत का क्या हुआ। एजेपी से पहली बार चुनाव लड़ रही चौधरी उस समय विवाद में आ गईं, जब मुख्यमंत्री शर्मा ने कथित तौर पर 'बीफ' के सेवन को लेकर उनके माता-पिता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। हालांकि, चौधरी ने इन हमलों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। वह गुवाहाटी सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार गुप्ता के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। कुंकी चौधरी ने चार अप्रैल को मुख्यमंत्री शर्मा द्वारा उनकी मां की खान-पान की आदतों के बारे में किए गए दावों के बाद, सोशल मीडिया पर परिवार के बारे में कथित तौर पर 'डीप-फेक' प्रौद्योगिकी से तैयार मानहानिकारक वीडियो को लेकर पुलिस में शिकायत दर्जा कराई। नवीनतम घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए, एजेपी के अध्यक्ष लुरिंज्योति गोगोई ने कहा कि चौधरी को तलब करना ''चौंकाने वाला और दुर्भाग्यपूर्ण'' है। उन्होंने कहा, 'यह केवल किसी उम्मीदवार पर प्रशासनिक दबाव नहीं है, बल्कि यह असम में भाजपा द्वारा लोकतंत्र के दमन का ज्वलंत उदाहरण है। हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए प्रशासन और पुलिस का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक खतरनाक संकेत है।' गोगोई ने आरोप लगाया कि जब सत्तारूढ़ दल को सत्ता खोने का डर होता है, जब उसे यकीन हो जाता है कि जनता का वोट उसके खिलाफ गया है, तो भाजपा जैसी फासीवादी पार्टियां सत्ता को अपने कब्जे में रखने के लिए कुटिल रास्तों का सहारा लेती हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा सवाल यह है कि कुंकी चौधरी द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बावजूद डीप-फेक वीडियो प्रसारित करने वाले भाजपा समर्थकों को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है?

कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार या सीएम बदलने के आसार?

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार में जल्द ही बड़े बदलाव हो सकते हैं। खबर है कि करीब 30 वरिष्ठ कांग्रेस विधायक दिल्ली रवाना हो गए हैं। ये सभी मंत्री पद की मांग को लेकर रायबरेली सांसद राहुल गांधी से मुलाकात कर सकते हैं। हालांक, अभी मुलाकात को लेकर जानकारी स्पष्ट नहीं है।

विधायकों का इस कदम को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर कैबिनेट विस्तार के लिए दबाव डालने से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

एक अखबार के अनुसार, कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने कहा कि समूह ने बड़ी संख्या में मुलाकात की थी और मंत्रालय में मौके की मांग रखने की बात तय हुई थी। उन्होंने कहा, 'ऐसे कई नेता हैं जिन्हें तीन, चार या पांच बार भी मौके मिले हैं। हम अनुरोध करेंगे कि जिन्हें अब तक जगह नहीं मिली है, उन्हें मौका दिया जाए।' उन्होंने कहा कि यात्रा सिर्फ मंत्री पद हासिल करने के लिए की जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस विधायक अशोक पाटन ने कहा, 'हमारी सिर्फ एक ही मांग है। हम चाहते हैं कि कैबिनेट में जल्द से जल्द बदलाव किया जाए और हमारे जैसे वरिष्ठ सदस्यों को मौका दिया जाए।' उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया ने पहले संकेत दिए थे कि अन्य को 2 साल बाद मौका दिया जाएगा, लेकिन तीन साल गुजर गए हैं। पहली बार चुने गए विधायकों ने भी पदों के लिए दबाव तेज कर दिया है। पीटीआई भाषा के अनुसार, कांग्रेस विधायकों ने मांग की है कि फेरबदल के दौरान उनमें से कम से कम पांच को मंत्री बनाया जाए। तीन से अधिक कार्यकाल वाले कई वरिष्ठ विधायक रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हुए। वे पार्टी नेतृत्व से मुलाकात कर यह मांग रखने वाले हैं कि प्रस्तावित फेरबदल के दौरान करीब 40 वरिष्ठ विधायकों में से कम से कम 20 को मौका दिया जाए।

मांड्या से पहली बार विधायक बने रविकुमार गौड़ा (रवि गनिगा) ने कहा, 'हर किसी की इच्छा मंत्री बनने की होती है।

अब नोएडा में सैलरी पर बवाल, वाहनों में तोड़फोड़ और आगजनी; पुलिस पर पथराव

नोएडा, एजेंसी। गुरुग्राम के बाद अब नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर बड़ा बवाल हुआ है। नोएडा के फेज-2 में एक निजी कंपनी के कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में जुटे प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में तोड़फोड़ की और आग लगी दी। पुलिस पर भी पथराव किया गया। घंटों पूरा इलाका युद्ध क्षेत्र जैसा बना रहा। पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए किसी तरह स्थिति को काबू किया। दूसरी तरफ दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवेल समेत नोएडा-गाजियाबाद के कई इलाकों में भीषण जाम लग गया। बताया जा रहा है कि फेज-2 स्थित मदरसन कंपनी के अस्थायी कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि समेत कुछ मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया था। अस्थायी कर्मचारियों का दावा है कि कंपनी ने नए श्रम कानूनों के प्रावधानों को लागू नहीं किया है, जिसको लेकर उनमें रोष था। सोमवार सुबह हजारों की संख्या में

प्रदर्शनकारी कंपनी के बाहर एकत्रित होकर नारेबाजी कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस भी तैनात थी। प्रदर्शन अचानक उग्र हो गया। भीड़ हिंसक हो उठी। कंपनी के आसपास कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। तोड़फोड़ की गई। यहां तक कि पुलिस पर भी पथराव होने लगा। पुलिस की गाड़ियों को में तोड़फोड़ की गई। एक जिप्सी को बुरी तरह क्षतिग्रस्त करके पलट दिया गया। हिंसक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज करके भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। फेज-2 के अलावा सेक्टर 15 और 62 में भी श्रमिकों ने हंगामा किया। जिसकी वजह से दिल्ली मेरठ-एक्सप्रेसवे समेत नोएडा में कई जगह भीषण जाम लग गया और लोगों को आवाजाही में काफी समस्या हुई। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर तो घंटों लोग फंसे रहे। गाजियाबाद पुलिस ने भीषण जाम को देखते हुए एडवाइजरी जारी की। इसमें कहा गया कि सेक्टर 62 नोएडा राष्ट्रीय राजमार्ग 9 पर दिल्ली जाने वाली साइड रोड पर इंडस्ट्रियल कर्मचारियों के द्वारा प्रदर्शन कर जाम किया गया है, यातायात का दबाव उत्पन्न हो गया है। पुलिस बल मौके पर मौजूद है। यातायात पुलिस गाजियाबाद द्वारा ए बी इ एस तथा विजयनगर बाईपास से आवश्यक डायवर्जन किया जा रहा है। असुविधा से बचने के लिए कृपया वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें।

अपराधियों की सूचना दीजिए और पाइए मोटा इनाम, पहचान रहेगी गुप्त; पंजाब सरकार का ऐलान

जालंधर, एजेंसी। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने राज्य में अपराध कम करने और कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नई पुरस्कार नीति शुरू की है। इसके तहत अपराधियों के बारे में जानकारी देने वाले लोगों को इनाम दिया जाएगा। गैंगस्टरों ते वार प्रोजेक्ट के अंतर्गत सरकार ने एसएसपी को 1 लाख रुपये तक, पुलिस कमिश्नर/रेंज आईजी/डीआईजी को 1.5 लाख रुपये तक, विभिन्न विंगों के प्रमुखों (स्पेशल डीजीपी/एडीजीपी) को 2 लाख रुपये तक और डीजीपी को 2 लाख रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत करने की शक्तियां प्रदान की हैं। यह इनाम केवल सही और प्रमाणिक सूचना देने वाले व्यक्तियों को ही दिया जाएगा। सरकार का कहना है कि इस योजना का उद्देश्य राज्य में अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क पर पूरी तरह से लगाम लगाना है। साथ ही 28 मोस्ट वांटेड क्रिमिनल्स की लिस्ट भी जारी की गई है। पहले जांच की जाएगी और तय मानकों के आधार पर

ही इनाम दिया जाएगा। साथ ही सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और उसे किसी प्रकार का खतरा नहीं होने दिया जाएगा। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 9394693946 पर जानकारी साझा कर सकते हैं। पुलिस के अनुसार, ऐसी विश्वसनीय सूचना जिससे वांछित या घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी संभव हो सके, उस पर इनाम दिया जाएगा। इसके अलावा नागरिकों की ओर से दिए गए सुझावों पर भी कार्रवाई की जाएगी। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के एडीजीपी प्रमोद बान ने बताया कि पंजाब सरकार ने चुने गए पुलिस कर्मचारियों के लिए ऊपर बताई गई मंजूरी की शक्तियों को मंजूरी दे दी है। पहले जानकारी वेरिफाई की जाएगी और जानकारी देने वाले को क्राइटेरिया के हिसाब से इनाम दिया जाएगा। जानकारी देने वाले की पहचान पुलिस, पब्लिक या सरकार के किसी भी लेवल पर बताई या पब्लिक नहीं की जाएगी। इसका मकसद राज्य में काम कर रहे क्रिमिनल और गैंगस्टर के लिए सभी दरवाजे बंद करना है और पंजाब सरकार इस मकसद को पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। गिरफ्तारी में मदद करने वाली भरोसेमंद जानकारी देने वाले मुखबिरों को इनाम दिया जाएगा। पंजाब पुलिस मुखबिरों से मिली लीड्स को फॉलो करेगी। यह प्रोजेक्ट पंजाब पुलिस नेटवर्क को भी और मजबूत करेगा ताकि वे उपद्रवियों को रोक सकें।

छत्तीसगढ़ : कांकेर में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता, इनामी महिला नक्सली कमांडर 'रूपी' एनकाउंटर में ढेर

कांकेर, एजेंसी। *छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में एक महिला नक्सल एरिया कमांडर को ढेर कर दिया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह मुठभेड़ कांकेर जिले में छोटे बेठिया पुलिस थाना क्षेत्र के जंगलों में हुई। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मारी गई महिला नक्सली पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित था। कांकेर के पुलिस अधीक्षक निखिल रखेचा ने बताया कि मारी गई महिला नक्सली की पहचान 'रूपी' के तौर पर हुई है, जो माओवादियों की प्रतापपुर एरिया कमेटी की सदस्य थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ आज सुबह छोटे बेठिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक वनक्षेत्र में तब हुई जब सुरक्षाबल नक्सल रोधी अभियान पर था। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से एक महिला नक्सली का शव और एक हथियार बरामद किया गया है। अधिकारी ने बताया कि इलाके में अब भी अभियान जारी है और विस्तृत जानकारी का इंतजार है। यह घटना 31 मार्च को सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को सशस्त्र माओवादी मुक्त घोषित किए जाने के 12 दिन बाद हुई है। बता दें कि इस साल 31 मार्च को सरकार ने छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त घोषित कर दिया। सुरक्षा बलों द्वारा घने जंगलों में चलाए गए अथक अभियान के बाद उग्रवादियों का कोई नेता या कैडर नहीं बचा, जिनमें से अधिकतर या तो मारे गए हैं या उन्होंने हथियार डाल दिए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 30 मार्च लोकसभा में देश नक्सलवाद से मुक्त होने का ऐलान किया था। उन्होंने वामपंथी नक्सलवाद को विदेशी विचारों का परिणाम बताते हुए कहा था कि हिंसा के लिए देश में कोई जगह नहीं है और शांति की इच्छाशक्ति की बदौलत ही मोदी सरकार ने नक्सलवाद को खत्म करने में कामयाबी हासिल की है। अमित शाह ने कहा कि देश नक्सल मुक्त हो चुका है और अब जो हथियार उठाएगा, उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। गौरतलब है कि, बीते महीने चार दशक से अधिक समय बाद छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में माओवादी सशस्त्र आंदोलन का अंत हो गया।*

गर्मी में बिजली संकट की आशंका, कर्मचारियों पर ऐक्शन से गुस्सा, 15 अप्रैल से प्रदेशभर में आंदोलन

लखनऊ, एजेंसी। उत्पीड़न की कार्यवाहियां वापस न होने पर गर्मियों में बिजली व्यवस्था प्रभावित होने की

जिम्मेदारी शीर्ष प्रबंधन की होगी। यह चेतावनी विद्युत कर्मियों ने रविवार को विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की बैठक में दी है। समिति ने 15 अप्रैल से 21 मई तक प्रदेशव्यापी जन-जागरण अभियान चलाने का ऐलान किया है। सभी डिस्कॉम मुख्यालय पर प्रदर्शन होंगे। उत्पीड़न होने पर सीधी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

लखनऊ में हुई बैठक में प्रदेशभर से लगभग 1000 से अधिक बिजली कर्मचारी एवं अभियंता पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि आंदोलन के फलस्वरूप बिजली कर्मियों पर की गई सभी उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां तत्काल वापस नहीं ली गईं तो आने वाली भीषण गर्मियों में बिजली व्यवस्था प्रभावित होने की पूरी जिम्मेदारी पावर कॉरपोरेशन के शीर्ष प्रबंधन की होगी। चेतावनी दी गई है कि यदि प्रबंधन अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए किसी भी कर्मचारी या अभियंता पर उत्पीड़नात्मक कार्रवाई करता है, तो बिजली कर्मी कार्यस्थल पर काम छोड़कर बाहर आने को बाध्य होंगे। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। जनजागरण अभियान के तहत 24 अप्रैल को मेरठ डिस्कॉम, 2 मई को केस्को, 6 मई को आगरा, 14 मई को लखनऊ और 21 मई को वाराणसी डिस्कॉम पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। अभियान के तहत केंद्रीय पदाधिकारी पूरे प्रदेश का दौरा करेंगे और प्रत्येक जनपद में बिजली उपभोक्ताओं एवं किसानों के साथ संयुक्त सभाएं आयोजित की जाएंगी। बैठक में पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन की नीतियों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा गया कि एक ओर बिजली कर्मियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग के नाम पर बड़े पैमाने पर संविदा कर्मियों की छंटनी की जा रही है। जिससे तकनीकी कार्यों में बाधा आ रही है। यदि यही स्थिति रही तो मेंटेनेंस के अभाव में ट्रांसफार्मर जलने और लाइनों में फॉल्ट की समस्याएं बढ़ेंगी, जिसका खामियाजा प्रदेश की जनता को भुगतना पड़ेगा।

दलित छात्र की मौत पर गरमाई केरल की सियासत, कांग्रेस ने लगाया दिखावटी जांच का आरोप

कन्नूर, एजेंसी। केरल के कन्नूर डेंटल कॉलेज में दलित छात्र की मौत को लेकर सियासत गर्म हो गई है। मृतक छात्र नितिन राज आरएल के परिवार ने आरोप लगाया है कि नितिन की जाति, रंग और माता-पिता के दिहाड़ी मजदूर होने की वजह से उसे प्रताड़ित किया जाता था और अकसर अपमानित किया जाता था। नितिन तिरुवनंतपुरम के ही उझामलक्कल गांव का रहने वाला था और कन्नूर जिले के अंजराकंडी में कन्नूर डेंटल कॉलेज में बीडीएस का छात्र था। कॉलेज परिसर में ही बिल्डिंग से गिरकर उसकी मौत हो गई थी। नितिन ने बीते वर्ष ही कॉलेज में ऐडमिशन लिया था। कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सदस्य के.सी. वेणुगोपाल ने केरल सरकार से कन्नूर डेंटल कॉलेज के पहले साल के बीडीएस छात्र आर.एल. नितिन राज की मौत की पूरी जांच शुरू करने और उसे एक विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंपने की मांग की है। वेणुगोपाल ने एक बयान में कहा कि नितिन के माता-पिता और सहपाठियों ने एक फैकल्टी सदस्य के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं, और जोर दिया कि एक पूरी जांच के माध्यम से सच्चाई सामने आनी चाहिए। वेणुगोपाल इस घटना को बेहद परेशान करने वाला बताते हुए कहा कि कुछ ऐसे लोगों के कथित आपराधिक कृत्यों के कारण एक परिवार की उम्मीदें टूट गईं,

इस्लाम छोड़ सनातन की राह पकड़ी

हरकी पैड़ी में गोल टोपी पहनने का आरोप

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से शुरू हुई पूर्व मुस्लिम सद्भावना पदयात्रा हरिद्वार की हरकी पैड़ी के ब्रह्मकुंड पर समाप्त हुई। इसमें शामिल दर्जनों लोगों ने मां गंगा को प्रणाम किया। पदयात्रा के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस तैनात रही। हालांकि इस दौरान श्री गंगा सभा ने कड़ी नाराजगी जताते हुए मुकदमे की चेतावनी दी। आरोप लगाया कि हरकी पैड़ी में गोल टोपी पहननकर पहुंचे थे।

हरकी पैड़ी पर यात्रा में शामिल मुस्लिम समुदाय के लोगों के पहुंचने का विरोध शुरू हो गया है। श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम और तीर्थ उज्जवल पंडित ने आरोप लगाया कि झूठी परमिशन लेकर नियमों के विपरीत मुस्लिमों को हरकी पैड़ी क्षेत्र में घुमाया गया। उन्होंने ऐसा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

दावा- इस्लाम से सनातन की राह पर निकलेब्र दूसरी ओर यात्रा में शामिल इमरोज आलम और अन्य लोगों का कहना है कि उन्होंने इस्लाम छोड़कर सनातन धर्म स्वीकार कर लिया है। वे अपनी 'घर वापसी' के बाद हर की पैड़ी पर गंगा पूजन करना

चाहते हैं।

यात्रा का उद्देश्य यह है कि सनातन धर्म में आने के बाद उन पर कोई आंच न आए और न उन्हें प्रताड़ित किया जाए। पदयात्रा में संत रामविशाल दास महाराज समेत हिंदू संगठनों से जुड़े लोग और साधु-संत भी शामिल हुए। पदयात्रा 11 अप्रैल को बिजनौर गंगा बैराज से शुरू हुई थी। यह रविवार को हरकी पैड़ी पहुंची। इसका सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही विरोध शुरू हो गया।

श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने कहा कि उन्हें बताया गया था कि यात्रा में केवल इस्लाम छोड़कर सनातन धर्म अपनाने वाले शामिल है। इस पर उन्होंने इस फैसले का स्वागत किया लेकिन वीडियो में हरकी पैड़ी पर कई लोग मुस्लिम टोपी लगाए दिख रहे हैं। इससे उन्हें आघात लगा है। हरकी पैड़ी क्षेत्र में बायलॉज के अनुसार मुस्लिम प्रवेश नहीं कर सकते। ऐसा करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने रामविशाल दास महाराज को कांग्रेस का नेता बताते हुए उन पर सनातन को कलंकित करने का आरोप लगाया। तीर्थ पुरोहित उज्जवल पंडित ने कहा कि झूठ बोलकर एक संत ने प्रशासन और श्री गंगा सभा को भ्रमित किया। हरकी पैड़ी पर पहुंचे कई लोग मुस्लिम टोपी पहने हुए थे।